



शहर में उतरी देवभूमि द्वारका की दिव्यता, 60 फीट ऊंचे नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन को उमड़ रहे श्रद्धालु

भोपाल। मां दुर्गा की आराधना और शक्ति की भक्ति में सराबोर राजधानी भोपाल में शारदीय नवरात्रि का पर्व पूरे श्रद्धाभाव के साथ मनाया जा रहा है। शहर के गली-मोहल्लों में सजे मां जगदंबा के भव्य दरबार भक्तों को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करा रहे हैं। इसी बीच रोशनपुरा चौराहे और न्यू मार्केट क्षेत्र में नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की भव्य प्रतिकृति

श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। 60 फीट ऊंची इस दिव्य प्रतिकृति के साथ 5000 वर्ग फीट में मां अम्बे का भव्य दरबार सजाया गया है। यहां श्रद्धालुओं को एक साथ द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन और समुद्र मंथन की अद्भुत लीला देख रहे हैं। 48 लाख रुपए से बने पंडाल को बंगाल के कलाकारों और समिति सदस्यों ने 3 माह अथक साधना से साकार किया है।



न्यूज विंडो

भोपाल मंडल में टीटीई लगाएंगे बॉडी कैमरे, 56 कैमरों का ऑर्डर



भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में टिकट चेकिंग स्टाफ की ड्रेस पर बॉडी वियरिंग कैमरे लगाए जाएंगे। रेलवे ने 56 कैमरों का ऑर्डर दिया है। इन कैमरों से टीटीई और यात्रियों के बीच होने वाली बातचीत रिकॉर्ड होगी, जिससे विवाद और शिकायतों की जांच में मदद मिलेगी। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया के अनुसार, 2 से 3 महीने में कैमरों का इस्तेमाल शुरू होने की तैयारी है। पहले चरण में शान-ए-भोपाल, वंदे भारत जैसी प्रमुख ट्रेनों में इन्हें लगाया जाएगा। इससे टिकट चेकिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी।

जेल में बंद स्लीपर सेल तैयार करने वाला आतंकी तल्ला एम्स में भर्ती

भोपाल। प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) से चर्चित जुड़ाव के मामले में भोपाल सेंट्रल जेल में बंद तल्ला तालकुध्दर की तबीयत खराब होने पर उसे एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जेल अधीक्षक मनोज सिंह परिहार ने इसकी जानकारी दी। तल्ला तालकुध्दर विश्व मो. माहरूफ, जेएमबी से संबंधों के मामले में जेल में है। एजेंसियों के अनुसार, तल्ला पर भोपाल में स्लीपर सेल तैयार करने की गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

डॉक्टर ने नहीं दिया बकाया किराया, कुर्की के बाद गिरफ्तारी वारंट जारी

भोपाल। मकान किराए के बकाए 67 लाख रुपए जमा नहीं किए जाने पर संपत्ति कुर्की और नीलामी की कार्रवाई के बाद अब डॉ. सत्यसाची गुप्ता के खिलाफ जेल भेजने के लिए कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। 12वें व्यवहार न्यायाधीश राहुल सिंह यादव ने डिग्रीधारी मैसूर मल्ले खान को याचिका पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अब 16 अक्टूबर को सुनवाई होगी। 16 को डॉक्टर बकाया जमा नहीं करेंगे तो कोर्ट उन्हें जेल भेज देगी।

जलती बीड़ी से बिस्तर में लगी आग झुलसे बुजुर्ग ने दम तोड़ा

भोपाल। गौतम नगर थाना क्षेत्र के आरिफ नगर में आग लगने से गंभीर रूप से झुलसे एक बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, नई बस्ती आरिफ नगर निवासी विश्वनाथ (68) मंगलवार रात घर में बीड़ी पी रहे थे। बीड़ी का जलता हिस्सा बिस्तर पर गिर गया। आग बिस्तर में लग गई। जिससे पैरासिसिस से पीड़ित विश्वनाथ झुलस गए। आसपास के लोगों ने आग बुझाकर बुजुर्ग को निकाला। हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

बेटे की हत्या और पिता की हत्या के प्रयास करने वाले 6 को उम्रकैद

भोपाल। पुरानी रजिश् में गोली मारकर बेटे की हत्या और पिता को हत्या के प्रयास में राजा बाबू, अब्दुल रूदौर, शेख खान, शावर खान, फूरकान खान और मुनिस खान निवासी सुभाष नगर को अपर सत्र न्यायाधीश पीयूष जैन ने उम्रकैद और एक लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। 16 मार्च 2015 को थाना हनुमानगंज में आरोपियों ने पिता-पुत्र पर हमला किया था।

बीयू में 37 कॉलेजों की संबद्धता का पेंच, अब तक निरीक्षण ही जारी

4 साल का नर्सिंग कोर्स 7 साल में भी अधूरा, अधर में नया सत्र

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा का कैलेंडर एक बार फिर सरकारी प्रक्रियाओं और संबद्धता के विवाद में उलझ गया है। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के दायरे में आने वाले 37 नर्सिंग कॉलेजों की सत्र 2025-26 की संबद्धता की निरंतरता तय करने अक्टूबर में भी निरीक्षण चल रहा है। अब तक 15 कॉलेजों की जांच पूरी हुई है, जबकि 22 कॉलेजों का निरीक्षण बाकी है। वहीं, नर्सिंग काउंसिल सत्र 2026-27 के प्रवेश भी करा चुकी है, लेकिन पिछले सत्र के विद्यार्थियों का नामांकन तक नहीं हो पाया है। यानी जिस सत्र में विद्यार्थियों की पढ़ाई के तीन सेमेस्टर पूरे हो जाने चाहिए थे, उसकी संबद्धता प्रक्रिया ही अधूरी है।

इसका सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई, परीक्षाओं और डिग्री पर पड़ रहा है। प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा की बदहाली नई नहीं है। वर्ष 2021 से शैक्षणिक कैलेंडर लगातार पिछड़ता गया। चार वर्षीय पाठ्यक्रम में 2021 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी भी अब तक कोर्स पूरा नहीं कर पाए हैं। कॉलेजों में मानकों की अनदेखी कर मान्यता देने के आरोप सामने आए, मामला हाईकोर्ट पहुंचा और सीबीआई जांच भी हुई। सत्र 2023-24 को शून्य घोषित करना पड़ा, जबकि दूसरे सत्रों की परीक्षाएं भी समय पर नहीं हो सकीं।

इतनी लापरवाही...अब तक तो तीन सेमेस्टर पूरे हो जाते



कोर्ट ने कहा-व्यवस्था सुधारें लेकिन टाक के तीन पात ही रहा सिस्टम

हाईकोर्ट ने व्यवस्था सुधारने के लिए 2015-16 में नर्सिंग कॉलेजों को पारंपरिक विश्वविद्यालयों से हटाकर मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर के अधीन किया गया था। 11 साल बाद शासन ने सत्र 2025-26 से इन्हें फिर बीयू सहित अन्य पारंपरिक विश्वविद्यालयों के अंतर्गत लाने का फैसला किया। लेकिन व्यवस्था बदलने के बाद भी हालात नहीं सुधरे। डेढ़ साल बीतने को है, कॉलेजों की संबद्धता की निरंतरता तय नहीं हो सकी।

शुल्क विवाद से देरी

कॉलेजों की वापसी के साथ संबद्धता शुल्क पर विवाद खड़ा हो गया। उच्च शिक्षा विभाग ने एनओसी के लिए कॉलेजों से नई संबद्धता के आधार पर शुल्क लिया, जबकि विवि को कॉलेजों से निरंतरता शुल्क लेने के निर्देश दिए गए। कॉलेजों ने भी नई संबद्धता के बजाय निरंतरता शुल्क मांगी। विभागीय हस्तक्षेप के बाद विवि को इसी आधार पर शुल्क लेना पड़ा। इससे बीयू सहित अन्य पारंपरिक विवि को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान होने की बात सामने आई।

महर्षि शिक्षा संस्थान में श्रीमद देवी भागवत पुराण कथा ‘मां की भक्ति भय से मुक्ति दिलाती है, कथा जीवन को बनाती है सुदर्शन’

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मां भगवती की आराधना और शक्ति उपासना के संदेश से छान स्थित महर्षि शिक्षा संस्थान का परिसर भक्तिमय हो उठा। वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी डॉ. गिरिश के निर्देशन में चल रही श्रीमद देवी भागवत पुराण कथा के चतुर्थ दिवस पर आचार्य डॉ. निलिम्प त्रिपाठी ने देवी महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सच्चा भक्त भय से निवृत्त हो जाता है और कथा श्रवण उसके जीवन को सुदर्शन बना देता है।

आचार्य ने देवी चरित्रों एवं धर्म-अध्यात्म के प्रसंगों की व्याख्या करते हुए बताया कि मधु-कैटभ के मेद से पृथ्वी का नाम मेदिनी पड़ा, जबकि समस्त जीवों को धारण करने के



सच्ची श्रद्धा से नाम लेने भर से देवी प्रसन्न हो जाती हैं...

आचार्य ने शक्ति उपासना, भक्ति और मानव जीवन में धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्ची श्रद्धा, निष्ठा और नामस्मरण से मां अम्बा की कृपा प्राप्त होती है। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। देवी भजनों और जयकारों से परिसर गुंजता रहा।

कारण वह धरणी कहलाई। देवी के इस प्रसंग को सुनते बड़ी तादाद में श्रद्धालु पहुंचे। सभी भक्ति में खोए रहे।

अभिव्यक्ति साहित्यिक संस्था

विविध विधाओं के 18 विभूतियों का होगा सम्मान 16 को

भोपाल।

अभिव्यक्ति साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था का हिंदी सेवी नामाभि सम्मान समारोह 16 अक्टूबर को होगा। संस्थापक डॉ. अनीता तिवारी ने बताया कि विविध विधाओं के 18 लेखक और साहित्यकारों को समारोह में सम्मानित किया जाएगा। दुष्यंत संग्रहालय शिवाजी नगर में अपराह्न 3 बजे शुरू होने वाले समारोह के मुख्य अतिथि कानपुर के साहित्यकार डॉ. राधेश्याम मिश्र होंगे। अध्यक्षता पद्मश्री नारायण व्यास करेंगे। पूर्व कुलाधिपति डॉ. प्रकाश बरतुनिया, वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा, कथाकार मुकेश वर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे। वरिष्ठ साहित्यकार महेश सक्सेना विशेष अतिथि व डॉ. नारायणी शुक्ला व डॉ. साधना गंगराडे सारस्वत अतिथि होंगी।

रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल की हत्या का मामला

15 दिन से पुलिस को पता था केयरटेकर का सत्यापन नहीं...अब एजेंसी पर केस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रातीबड़ में रिटायर्ड आइएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की गला रेतकर हत्या के मामले में पुलिस ने केयरटेकर उपलब्ध कराने वाली एजेंसी के संचालक अखिलेश वर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस का दावा है कि जांच में पता चला कि उसकी एजेंसी में काम करने वाले 25 केयरटेकर में से किसी का भी पुलिस सत्यापन नहीं कराया गया था। सूत्रों की मानें तो यह जानकारी पुलिस को हत्या के दिन से ही थी। फिर भी एजेंसी संचालक पर केस दर्ज करने में देरी की गई।

हत्या का आरोपी वरुण



कुमार भी इसी एजेंसी के जरिए अग्रवाल के यहां काम करने गया था। वह अगस्त में भी एजेंसी के जरिए काम कर चुका था, तब भी सत्यापन नहीं कराया। पुलिस ने बताया, 35 वर्षीय अखिलेश वर्मा मूलतः सीहोर जिले के बिलकिसगंज का रहने वाला है।

अब तक हत्यारे का सुराग नहीं

29-30 सितंबर की रात केयरटेकर वरुण कुमार ने रिटायर्ड आइएएस राकेश अग्रवाल की गला रेतकर हत्या करने के 15 दिन बीत गए। सोना, नकदी और अग्रवाल का मोबाइल भी लुट ले गया। पुलिस ने कई राज्यों में दौड़ते देते की बात कही, लेकिन फरार केयरटेकर का सुराग तक नहीं लगा सकी।

बागसेवनिया में रहता था और वहीं वर्मा होम हेल्थ केयर एजेंसी चलाता था। मई 2026 एजेंसी शुरू की थी। जांच कर रहे एसआइ गम्बर सिंह ने बताया कि अखिलेश ने 3-4 केयरटेकर का सत्यापन कराने का दावा किया है, पर दस्तावेज नहीं दे सका।

अफसरों ने व्यस्तता का दिया हवाला

रसूखदारों को बचाने की जुगत! फिर टल गया केरवा डैम का सर्वे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एक बार फिर केरवा डैम का सर्वे टल गया। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश को 15 दिन हो गए हैं। एनजीटी ने नोडल एजेंसी प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड (पीसीबी) को तीन सप्ताह में सर्वे कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया था। डैम का सर्वे बुधवार से होना था। एनजीटी से गठित 11 सदस्यीय टीम सर्वे करेगी, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की व्यस्तता के कारण सर्वे शुरू नहीं हो सका। इससे सवाल उठने लगे हैं कि रसूखदारों का दबाव होने से सर्वे टाल जा रहा है। एनजीटी के आदेश पर इससे पहले बड़ी, छोटी झील, कलियासोत व केरवा डैम का सर्वे करना था। टीम ने 5 से 9 सितंबर तक बड़ी, छोटी झील व

उठने लगे सवाल
बताया जा रहा है कि पीसीबी, जल संसाधन विभाग व अधिकारी अलग-अलग वजह बताकर सर्वे टाल रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे कि क्या रसूखदारों के दबाव में सर्वे को टाला जा रहा है। बता दें, केरवा के कैचमेंट में रसूखदारों ने बड़े-बड़े बंगले बनाए हैं।

कलियासोत डैम का सर्वे तो कर दिया, लेकिन केरवा डैम का सर्वे टाल दिया था। वजह थी कि केरवा का जल स्तर मेटेन नहीं है। जब इसकी जानकारी एनजीटी को दी तो जल स्तर मेटेन करने निर्माणधीन डैम से पानी को रोकने का जल संसाधन विभाग को आदेश दिया।

मेट्रो एंकर

त्योहारों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्ती बरते सरकार वायु प्रदूषण रोकने के उपायों पर दो सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

त्योहारों में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्ती दिखाई है। अधिकरण ने अफसरों को भोपाल में प्रदूषण रोकने के उपायों पर दो सप्ताह में विस्तृत जवाब देने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा-निर्देशों, राज्य के नियमों और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

पेश आंकड़ों के अनुसार, भोपाल में औसत पीएम10 स्तर 2023-24 में 113 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से घटकर 2024-25 में 110 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा।



सड़क की धूल और कचरा जलाना प्रमुख कारण

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सड़क की धूल, वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण गतिविधियां और खुले में कचरा जलाना शामिल बताए गए हैं। एनजीटी ने प्रदूषण प्रभावित क्षेत्रों में लक्षित कार्रवाई, मशीनों से सड़कों की सफाई, निर्माण अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन और वायु गुणवत्ता की निगरानी बढ़ाने जैसे उपायों पर जोर दिया।

ग्रेप के तहत प्रदूषण स्तर के अनुरूप कार्रवाई करें

अधिकरण ने ग्रेडेड रिसॉयन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) के तहत प्रदूषण के स्तर के अनुरूप कार्रवाई करने और त्योहारों के दौरान पटाखों से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने को कहा है। अधिकारियों को 20 मई 2026 के एनजीटी आदेश के अनुपालन और समिति की सिफारिशों पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी देनी होगी। रिपोर्ट के अनुसार, शहर में वायु प्रदूषण कम करने के लिए 21 हॉटस्पॉट चिह्नित किए गए हैं। इनमें एमपी नगर, कोलार, रेलवे स्टेशन, लाधघाटी, प्रभात चौराहा, करोद, नादरा बस स्टैंड जैसे इलाके हैं। शहर

में पीएम10 का वार्षिक औसत 110 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज हुआ, जो मानक 60 से 83% ज्यादा है। अब सुनवाई 18 नवंबर को होगी।

ब्लोअर नहीं, सवशन मशीन से सफाई की सिफारिश...

प्रदूषण रोकने ब्लोअर से धूल उड़ाने के बजाय सवशन मशीन से सड़कें साफ करने की सिफारिश है। सड़क किनारे और फुटपाथ पक्के करने, खाली जगह पोथरोपण, निर्माण स्थलों की निगरानी, निर्माण सामग्री का प्रबंधन व खुले में कचरा जलाने पर रोक लगाने को भी कहा है।



उमरिया जिले को सीएम यादव ने दी सौगात

स्कूल, अस्पताल और नई तहसील का ऐलान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाइली बहनों को नवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ी सौगात दी। उमरिया जिले के गुरुवाही गांव में आयोजित लाइली बहना सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने योजना की 41वीं किस्त के रूप में 1834 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों के बैंक खातों में अंतरित की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के हितग्राहियों और लाइली बहनों को गैस सिलेंडर भरवाने के लिए 115 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि भी दी गई। मुख्यमंत्री ने उमरिया जिले में 144 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 136 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और प्रशासनिक सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं।

उमरिया में 144 करोड़ के विकास कार्य

मुख्यमंत्री ने जिले में कुल 136 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 87 करोड़ रुपये की लागत के 68 कार्यों का लोकार्पण तथा 57 करोड़ रुपये की लागत के 68 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इन योजनाओं से बांधवगढ़ और मानपुर विधानसभा क्षेत्रों सहित जिले के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने उमरिया में सादीपनि विद्यालय खोलने, मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नया भवन बनाने और उसे सिविल अस्पताल का दर्जा देने की घोषणा की। उन्होंने अमरपुर को तहसील के रूप में विकसित करने तथा जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात भी कही। सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं को रियायती दर पर भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की गई।

दिव्यांगजनों को मिली

ट्राइसाइकिल

सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने महिलाओं को आजीविका वाहन की चाबियां सौंपीं। पाली विकासखंड के चौरा क्षेत्र में सेवा महिला संघ के अंतर्गत 8.50 लाख रुपये की लागत से यह वाहन खरीदा गया है। इससे उन मार्गों पर आवागमन सुगम होगा, जहां महिलाओं को रोजगार और आजीविका संबंधी गतिविधियों के लिए परिवहन की सुविधा नहीं मिल पाती। वाहन से होने वाली आमदनी संबंधित महिला को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने दस दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल वितरित की। इसके अलावा लाइली लक्ष्मी योजना, स्व-सहायता समूह ऋण सहायता, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना और डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के हितग्राहियों को भी लाभ प्रदान किए गए।

मोहन सरकार में गाड़ियों पर दोहरा नियम!

मंत्रियों को नई कारें, डिप्टी सीएम के प्रस्ताव पर ब्रेक, फंड का दिया हवाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की मोहन सरकार में सरकारी गाड़ियों की खरीद को लेकर दोहरा रवैया सामने आया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, दो मंत्रियों और गृह सचिव के लिए नई गाड़ियां खरीदी गईं, लेकिन दोनों उपमुख्यमंत्रियों जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल की नई कारों की मांग वित्त विभाग ने ठुकरा दी। हैरानी की बात यह है कि दोनों उपमुख्यमंत्रियों के सरकारी वाहन निर्धारित सीमा से अधिक चल चुके हैं। इसके बावजूद वित्त विभाग ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए नई गाड़ियां खरीदने की अनुमति नहीं दी। विभाग ने मौजूदा वाहनों की मरम्मत कराकर उनका इस्तेमाल जारी रखने को कहा है।

प्रदेश सरकार ने करीब तीन महीने पहले वित्तीय संसाधनों पर दबाव को देखते हुए सरकारी खर्चों में कटौती के निर्देश जारी किए थे। अधिकारियों के विदेश दौड़ों, महंगे होटलों में बैठकों और दूसरे अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण लगाने को कहा गया था। सामान्य प्रशासन विभाग ने वचुंअल बैठकों को प्राथमिकता देने और जिलों के अधिकारियों को भोपाल बुलाने से बचने के निर्देश भी दिए थे। मंत्रियों के काफिले में वाहनों की संख्या कम करने पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या घटाकर सात रखने का फैसला किया था। हालांकि, इसी साल नई गाड़ियों की खरीद भी हुई। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब खर्चों पर नियंत्रण की नीति लागू है, तो कुछ पदाधिकारियों के लिए नई गाड़ियां खरीदने की अनुमति कैसे मिल गई, जबकि दोनों उपमुख्यमंत्रियों के प्रस्ताव रोक दिए गए।



1.10 लाख किलोमीटर की सीमा पर

सरकारी वाहनों को बदलने के लिए निर्धारित नियमों के मुताबिक, एक लाख 10 हजार किलोमीटर चलने के बाद वाहन बदलने का प्रावधान है। जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल के सरकारी वाहन इस सीमा को पार कर चुके हैं। इसके बाद गृह विभाग के माध्यम से दोनों के लिए एक कार खरीदने के प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजे गए थे। लेकिन वित्त विभाग ने प्रस्तावों को मंजूरी देने के बजाय पुरानी गाड़ियों की मरम्मत कराने और उन्हें ही उपयोग में लेने की सलाह दी। इस फैसले के बाद दोनों उपमुख्यमंत्रियों को फिलहाल मौजूदा वाहनों से ही काम चलाना होगा।

मुख्यमंत्री से गृह सचिव तक को मिली नई कार

चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक चार नई गाड़ियां खरीदी गई हैं। इनमें मुख्यमंत्री के लिए एक डीबीएस 9 कार शामिल है। इसके अलावा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और गृह सचिव कृष्णा वेणी के लिए तीन इनोवा क्रिस्टा खरीदी गई हैं। इस तरह नई गाड़ियों की खरीद के बीच दोनों उपमुख्यमंत्रियों के प्रस्ताव मंजूर नहीं हो सके। वित्त विभाग ने दिसंबर में होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र के लिए दूसरे अनुपूरक बजट के प्रस्ताव 22 अक्टूबर तक ऑनलाइन भेजने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि ऐसे नए मॉडलों को शामिल नहीं किया जाएगा जिनसे राज्य के वित्तीय संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़े।

महाराष्ट्र में 4.08 करोड़ की बुलेटपूफ कार

मध्यप्रदेश में नई गाड़ियों की खरीद पर रोक के बीच महाराष्ट्र सरकार ने वीवीआईपी और राज्य अतिथियों की सुरक्षा एवं परिवहन व्यवस्था के लिए 12.68 करोड़ रुपये की 44 गाड़ियां खरीदने को मंजूरी दी है। इनमें 4.08 करोड़ रुपये की बुलेटपूफ टोयोटा लैंड क्रूजर 300 भी शामिल है, जिसे मुंबई में तैनात किया जाएगा। इन वाहनों का इस्तेमाल राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विदेशी मेहमानों के दौड़ों के दौरान किया जाएगा। मध्यप्रदेश में एक और वित्तीय अनुशासन के नाम पर उपमुख्यमंत्रियों की नई कारों के प्रस्ताव खारिज किए गए हैं, वहीं दूसरी ओर अन्य पदाधिकारियों के लिए नई गाड़ियां खरीदी गई हैं। यही अंतर अब सरकारी खर्चों की प्राथमिकता को लेकर सवाल खड़े कर रहा है।

अपराधियों को मिलेगा पैरोल और सुधारने का मौका

प्रदेश की जेलों में पहली बार पहुंचे कैदियों के लिए बदलेगी व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की केंद्रीय और जिला जेलों में बंद सजा प्राप्त कैदियों में 81 प्रतिशत ऐसे हैं, जो पहली बार अपराध करने के बाद जेल पहुंचे हैं। अब जेल मुख्यालय ने पहली बार अपराध करने वाले कैदियों के लिए अलग व्यवस्था बनाने का फैसला किया। कार्सिलिंग और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के साथ पैरोल के लिए अलग मापदंड तय करने का प्रस्ताव बनाया है। जेल महानिदेशक वरुण कपूर ने कहा कि यह प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। बता दें, यह प्रस्ताव उस अध्ययन के बाद बनाया गया है जिसमें पता चला है कि 19 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं, जो एक से अधिक बार अपराध कर जेल पहुंचे हैं।

प्रदेश की जेलों में 45 हजार कैदी बंद

बता दें, प्रदेश की जेलों में 45 हजार कैदी बंद हैं, जिनमें 19 हजार सजा प्राप्त और गैर की विचाराधीन हैं। पहली बार अपराध करने के बाद सजा काट रहे कैदियों के लिए अलग से कार्सिलिंग की व्यवस्था करने पर जोर दिया जा रहा है। उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की जरूरत बताई गई है, ताकि जेल में रहने के दौरान उनके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने और रिहाई के बाद सामान्य जीवन में लौटने में मदद मिल सके।

मेट्रो एंकर

क्रिस्प में 600 से अधिक पूर्व सैनिकों को मिला कौशल प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वाले सैनिकों को रोजगार से जोड़ने और उनके अनुभव को नई दिशा देने के लिए भोपाल स्थित सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंस्टीट्यूल स्टॉफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रक्षा मंत्रालय के भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग की सचिव सुकृति लिखी ने क्रिस्प का दौरा किया और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पूर्व सैनिकों से संवाद किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों के अनुभव जाने और संस्थान में संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों की सराहना की। क्रिस्प द्वारा अब तक 600 से अधिक सैनिकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।



संस्थान का जोर आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देने के साथ उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर भी है।

दौरे के दौरान सुकृति लिखी ने रक्षा महानिदेशालय पुनर्वास (डीजीआर) के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पूर्व सैनिकों

से बातचीत की। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान मिले अनुभवों और भविष्य की रोजगार संभावनाओं के बारे में जानकारी ली। सुकृति लिखी ने कहा कि डीजीआर से जुड़े लोग क्रिस्प के कार्यों की प्रशंसा करते हैं। संस्थान के कार्यक्रमों को देखने

के बाद वह स्वयं भी प्रभावित हुईं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए उनके उच्चतम भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास पूर्व सैनिकों को सेवानिवृत्ति के बाद नए अवसर उपलब्ध कराने में सहायक हैं।

28 अक्टूबर को इंदौर में होगा बड़ा मंथन

2753 करोड़ से बदलेगी प्रदेश के शहरों की सूरत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में शहरों की तस्वीर बदलने और आधुनिक नगरीय सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में 28 अक्टूबर को इंदौर में राज्य स्तरीय नगरीय विकास सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस सम्मेलन में 2753.10 करोड़ रुपये की स्वीकृत विकास परियोजनाओं की प्रगति, वित्तीय प्रबंधन और समय-सीमा में काम पूरा करने की रणनीति पर चर्चा होगी। इसके साथ ही परियोजनाओं के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ अनुबंध किए जाएंगे तथा संबंधित एजेंसियों को कार्य आवंटन पत्र सौंपे जाएंगे। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के शहरों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

नगरीय विकास निधि के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न शहरों में कुल 2753.10 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें इंदौर, उज्जैन और रीवा की महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से शहरों में पेयजल आपूर्ति, मलजल निकासी और धार्मिक क्षेत्रों के विकास को नई गति देने की तैयारी है।

इंदौर में जल वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के साथ मलजल निकासी



उज्जैन के मंदिर क्षेत्र का होगा समन्वित विकास

धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में एकीकृत मंदिर क्षेत्र विकास परियोजना को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इसका उद्देश्य मंदिर क्षेत्र की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विस्तार करना है। वहीं, रीवा में समग्र पेयजल आपूर्ति योजना के माध्यम से जल वितरण व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में काम किया जाएगा। इन परियोजनाओं से शहरों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार की उम्मीद है। बेहतर जल प्रबंधन, स्वच्छता और सुव्यवस्थित धार्मिक क्षेत्रों से स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है।

तंत्र और जल शोधन संयंत्रों का व्यापक उन्नयन किया जाएगा। इससे नागरिकों को बेहतर जल सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

निवेशकों और युवाओं को मिलेगा अवसर

सम्मेलन में नगरीय विकास से जुड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, निवेशक, वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि, नवाचार करने वाले नए उद्यम और युवा भाग लेंगे। इसका उद्देश्य प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को बढ़ाना और शहरी विकास के लिए नए विचारों तथा आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहित करना है। सम्मेलन में परियोजनाओं के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने, धन के पारदर्शी उपयोग और निर्धारित समय में निर्माण कार्य पूरा करने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श होगा।

20 अक्टूबर से शुरू हो रही है सत्य-सनातन स्वाभिमान यात्रा

पांच नदियों का शुद्ध जल लेकर अयोध्या जाएंगे दिग्विजय, कांग्रेस का झंडा या पोस्टर नहीं होगा

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा 20 अक्टूबर (विजयादशमी) पर उज्जैन के महाकाल मंदिर से रवाना होगी। सिंह पांच पवित्र नदियों का जल लेकर अयोध्या जा रहे हैं। यात्रा में कांग्रेस का झंडा और राजनीतिक बातें नहीं होंगी।

करीब 950 किलोमीटर लंबी यह पदयात्रा ओरछा के रामराजा सरकार मंदिर से होते हुए अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक पहुंचेगी। यात्रा के शुभारंभ और आयोजन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को शिप्रा गार्डन में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान

ददा शिष्य मंडल के सदस्यों ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन और भंडारे के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण भी किया।

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जनजागरण उद्देश्य- आयोजकों के मुताबिक यात्रा का उद्देश्य सत्य, धर्म, न्याय, सामाजिक सद्भाव और लोक तांत्रिक मूल्यों के प्रति जनजागरण करना है। यात्रा के दौरान चंदा चोरी और वोट चोरी के आरोपों को लेकर जवाबदेही तय करने की मांग भी

टिकट नहीं देने वाले कंडक्टर पर कार्रवाई का प्रावधान भी रहेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में बस से सफर करने वालों को जल्द ही ट्रेन की तरह मोबाइल से टिकट बुक करने की सुविधा मिल सकती है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत रेलवे के आईआरसीटीसी की तर्ज पर मोबाइल एप तैयार कराया जा रहा है। इसके जरिए यात्री घर बैठे बस का रूट, चढ़ने का स्थान और गंतव्य चुनकर टिकट बुक कर सकेंगे। शुरुआत भोपाल और इंदौर के आईएसबीटी से करने की तैयारी है। हालांकि, एप का नाम, डाउनलोड लिंक और बुकिंग शुरू होने की तारीख अभी घोषित नहीं हुई है।

योजना में टिकट बुकिंग के साथ बसों की निगरानी, जीपीएस और कैमरे चालू रखने और टिकट नहीं देने वाले कंडक्टर पर कार्रवाई का प्रावधान भी शामिल है।

सुबह 8 बजे से होगा पार्थिव शिवलिंग निर्माण

यात्रा समन्वयक योगेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि 20 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से नृसिंह घाट के समीप बालाजी गार्डन में पार्थिव शिवलिंग निर्माण और पूजन-अर्चन का आयोजन होगा। इसमें दिग्विजय सिंह के साथ हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। अनुष्ठान के बाद कन्या भोज और विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। इसके बाद यात्रा रवाना होगी। तैयारियों की समीक्षा के लिए ददा शिष्य मंडल के वरिष्ठ शिष्य सुरेंद्र सुहाने और अभिषेक गौर सागर से उज्जैन पहुंचे।

प्रतिदिन चलेंगे करीब 15 किलोमीटर

आयोजन से जुड़े लोगों के अनुसार, दिग्विजय सिंह प्रतिदिन करीब 15 किलोमीटर पैदल चलेंगे। यात्रा लगभग 70 दिनों में अयोध्या पहुंचने के लक्ष्य के साथ निकाली जा रही है। आयोजक यात्रा में करीब 2,000 से 3,000 लोगों के शामिल होने की व्यवस्था कर रहे हैं। विभिन्न पड़ावों पर शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने पंजीकरण भी कराया है।

उठाई जाएगी। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि पदयात्रा में कांग्रेस सहित किसी

भी राजनीतिक दल के झंडे और बैनर का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

एमपी में ट्रेन की तरह एप से बस टिकट बुकिंग, जल्द लॉन्च करने की तैयारी



यात्रियों के लिए सबसे अहम सवाल यह है कि टिकट किस एप पर मिलेगा, बुकिंग के समय कितना पैसा देना होगा, बस कहां से मिलेगी और किसी कारण से बस छूट जाने पर उसी टिकट से अगली बस में सफर कर सकेंगे या नहीं। उपलब्ध जानकारी में इन सभी सवालों के अंतिम नियम अभी स्पष्ट नहीं हैं। सरकार जल्द ही एप लॉन्च करने वाली है। मध्य प्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड आईआरसीटीसी की तर्ज पर मोबाइल एप तैयार करा रही है।

बस ऑपरेटर के खाते में जमा होगी राशि

ऑनलाइन टिकट बुकिंग में भुगतान की व्यवस्था प्रस्तावित है। योजना के मुताबिक, टिकट की राशि सीधे संबंधित बस ऑपरेटर के खाते में जमा होगी। एप के संचालन के लिए टिकट राशि पर 0.1 से 0.2 प्रतिशत तक कंविनियंस फीस लेने की व्यवस्था पर भी काम हो रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि हर टिकट के लिए पूरा किराया कब तक और कितना मिलेगा। एप आई, डेबिट-क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग या वॉलेट में से कौन-कौन से भुगतान विकल्प होंगे, इसकी आधिकारिक जानकारी भी सामने नहीं आई है।

सैनिकों के हुनर को मिलेगा नया मुकाम

क्रिस्प में 600 से अधिक पूर्व सैनिकों को मिला कौशल प्रशिक्षण

अनुशासन और कौशल से बनाएं नई पहचान

पुनर्वास महानिदेशालय के महानिदेशक मेजर जनरल एसबीके सिंह ने पूर्व सैनिकों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि सेना से सेवानिवृत्ति के बाद भी अनुशासन, परिश्रम और कौशल के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर करियर बनाया जा सकता है और अच्छी आय अर्जित की जा सकती है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से व्यावहारिक प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने और अपनी क्षमताओं को पहचानने का आह्वान किया। उनके अनुसार, सैनिकों में पहले से मौजूद अनुशासन और कार्य के प्रति समर्पण उन्हें नागरिक क्षेत्रों में भी सफलता दिला सकता है।

लोकतंत्र में मतपत्र महज कागज का टुकड़ा नहीं, जनता की संप्रभुता का दस्तावेज है। इसी ताकत से सत्ताएं बनती हैं, सरकारें बदलती हैं और राजनीतिक दावे जनादेश के सामने धराशायी होते हैं। इसलिए मतदाता सूची में गड़बड़ी या किसी पात्र नागरिक को मताधिकार से वंचित किए जाने का सवाल मामूली नहीं है। लेकिन इस संवैधानिक प्रश्न का समाधान सड़कों पर गुंजते नारों से निकलेगा या प्रमाणों की कसौटी पर परखी गई न्यायिक प्रक्रिया से, यही आज की असली बहस है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संविधान, लोकतंत्र और मताधिकार

की रक्षा को अपने राजनीतिक अभियान का केंद्र बना लिया है। दिल्ली पहुंचने और आंदोलन में शामिल होने के आह्वान के साथ उन्होंने कथित वोट चोरी के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर निर्वाचन आयोग के शीर्ष पदाधिकारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवल तक को राजनीतिक आरोपों के दायरे में लाकर वह इस लड़ाई को व्यापक स्वरूप देने की कोशिश कर रहे हैं। सरकारी अधिकारियों से सूचनाएं मिलने और चुनावी प्रक्रिया में साजिश होने के उनके

मताधिकार की लड़ाई

दावों की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है। गंभीर आरोपों की विश्वसनीयता उनके तेवर से नहीं, साक्ष्यों से तय होती है। राहुल गांधी की राजनीति में अवधारणा को हथियार बनाने की कोशिश स्पष्ट है। उनका भरोसा है कि लगातार आंदोलन से ऐसा माहौल बनेगा, जो सत्ता प्रतिष्ठान को जवाब देने के लिए बाध्य करेगा। लेकिन राजनीति में हवा बनाना और जनमत बदलना अलग-अलग बातें हैं। भोड़ किसी आरोप का प्रमाण नहीं होती, जैसे चुनावी पराजय अपने आप में वोट चोरी का सबूत नहीं बन सकती। कांग्रेस को

भी अपनी पिछली चुनावी हार के कारणों पर आत्ममंथन करना होगा। लोकतंत्र बचाने का दावा तभी विश्वसनीय होगा, जब आरोप ठोस तथ्यों के साथ सामने रखे जाएं। इसका अर्थ यह नहीं कि सत्ता और निर्वाचन आयोग सवालनों से ऊपर हैं। मतदाता सूची की शुचितता पर संदेह उठे, तो जवाब पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच से मिलना चाहिए। किसी पात्र मतदाता का नाम अनुचित ढंग से हटाया गया है, तो उसकी बहाली और जिम्मेदारों पर कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। मताधिकार नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, किसी राजनीतिक दल की कृपा नहीं।

विश्व खाद्य दिवस

हर एक दाना है अनमोल... भोजन की बर्बादी रोकना अच्छे संस्कारों की पहचान

कांतिलाल मांडोट

स्तंभकार



प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दुनिया से भूख और कुपोषण की समस्या को दूर करने के साथ प्रत्येक व्यक्ति तक पर्याप्त एवं पोषित भोजन पहुंचाने के लिए जागरूकता पैदा करना है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की स्थापना 16 अक्टूबर 1945 को हुई थी। इसी की स्मृति में विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में खाद्य सुरक्षा के साथ भोजन की उपलब्धता, पोषिकता और टिकाऊ कृषि जैसे विषयों पर विचार करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। लेकिन इन सबके बीच एक सवाल हम सभी को अपने आप से पूछना चाहिए कि जब दुनिया में करोड़ों लोग दौ वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तब क्या हमें अपनी थाली में भोजन छोड़ने और खाद्य सामग्री बर्बाद करने का अधिकार है?

भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि किसान के परिश्रम, प्रकृति के उपहार और समाज की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। खेत में बीज बोने से लेकर फसल तैयार होने तक किसान धूप, वर्षा, सर्दी और अनेक कठिनाइयों का सामना करता है। इसके बाद फसल की कटाई, अनाज की सफाई, भंडारण, परिवहन और बाजार तक पहुंचाने में समय, श्रम, पानी, बिजली और धन खर्च होता है। घर की रसोई में भोजन तैयार करने के लिए भी किसी का समय और मेहनत लगती है। इतनी लंबी प्रक्रिया के बाद हमारी थाली तक पहुंचने वाले भोजन को बिना सोचे-समझे कूड़ेदान में डाल देना केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि अन्न और श्रम के प्रति हमारी असंवेदनशीलता भी है।

आज समाज में विवाह समारोहों, सामूहिक भोज, धार्मिक आयोजनों, होटलों और सामाजिक कार्यक्रमों में भोजन की बर्बादी एक गंभीर चिंता बन गई है। बड़ी-बड़ी दावतों में अनेक प्रकार के पकवान परोसे जाते हैं। लोग अपनी आवश्यकता से अधिक भोजन थाली में ले लेते हैं और बाद में उसे अधूरा छोड़ देते हैं। आयोजक भी अतिथियों की संख्या का सही अनुमान लगाए बिना जरूरत से ज्यादा भोजन बनवा लेते हैं। दिखावे और प्रतिष्ठा की इस प्रवृत्ति में यह भूल जाते हैं कि जिस भोजन को हम बेकार समझकर फेंक रहे हैं, वही किसी जरूरतमंद परिवार के लिए दिनभर की भूख मिटाने का सहारा बन सकता है।

भारत में भोजन की बर्बादी और भूख की समस्या का एक साथ मौजूद होना हमारी सामाजिक व्यवस्था के सामने बड़ा प्रश्न है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की वर्ष 2024 की खाद्य बर्बादी संबंधी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत के घरों में अनुमानित 7.8 करोड़ टन भोजन बर्बाद हुआ। यह आंकड़ा हमें सोचने के लिए मजबूर करता है कि इतनी बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री बचाई जा सके, तो कितने जरूरतमंद लोगों की थाली तक भोजन पहुंच सकता है। हालांकि भोजन की बर्बादी रोकना ही भूख की समस्या का पूरा समाधान नहीं है, लेकिन इससे उपलब्ध खाद्य संसाधनों का बेहतर उपयोग अवश्य किया जा सकता है।

हमारे समाज में ऐसे उदाहरण भी हैं, जो यह साबित करते हैं कि थोड़ी सी संवेदनशीलता बड़ा बदलाव ला सकती है। जैन समाज में सामूहिक भोज और विवाह समारोहों के बाद बचे हुए सुरक्षित एवं खाने योग्य भोजन को जरूरतमंदों तक पहुंचाने की मुहिम सराहनीय है। कई स्थानों पर समाज की कार्यकारिणी के सदस्य भोजन की व्यवस्था पर ध्यान देते हैं और बचा हुआ भोजन जरूरतमंद लोगों में वितरित करवाते हैं। मदिरों के बाहर बैठे अनाथ और गरीब लोगों तक जब भोजन पहुंचता है, तो



उसे उचित तरीके से सुरक्षित रखकर बाद में उपयोग करें। खाद्य सामग्री खराब होने पर ही उसे फेंकने की नीबट आए, ऐसी स्थिति से बचने का प्रयास करें।

हमें यह भी समझना होगा कि भोजन की उपलब्धता अपने आप नहीं होती। इसके पीछे किसान का परिश्रम, जल संसाधनों का उपयोग, उपजाऊ भूमि, मौसम की अनुकूलता और अनेक लोगों की मेहनत जुड़ी होती है। जलवायु परिवर्तन, सूखा, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाएं कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। ऐसे में अन्न की प्रत्येक मात्रा का महत्व और बढ़ जाता है। भोजन बचाकर हम केवल अपना पैसा नहीं बचाते, बल्कि पानी, ऊर्जा, श्रम और प्राकृतिक संसाधनों की भी रक्षा करते हैं।

विश्व खाद्य दिवस हमें संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम अन्न का सम्मान करेंगे और दूसरों की भूख के प्रति संवेदनशील बनेंगे। भोजन की बर्बादी रोकने के लिए कुछ सरल नियम अपनाए जा सकते हैं। आवश्यकता के अनुसार ही भोजन खरीदें और पकाएं। थाली में उतना ही भोजन लें, जितना खा सकें। बची हुई सुरक्षित खाद्य सामग्री का समय पर उपयोग करें। विवाह और सामूहिक भोज में भोजन की बर्बादी रोकने की व्यवस्था बनाएं। अतिरिक्त सुरक्षित भोजन को जिम्मेदारी से जरूरतमंदों तक पहुंचाएं और बच्चों में बचपन से अन्न के सम्मान के संस्कार विकसित करें।

याद रखिए, अन्न का एक-एक दाना अनमोल है। हमारी मितव्ययिता किसी दूसरे की भूख मिटा सकती है। जिस दिन हम भोजन को बर्बाद करने के बजाय बचाने और जरूरतमंदों तक पहुंचाने की आदत अपना लेंगे, उसी दिन विश्व खाद्य दिवस मनाने का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होने लगेगा।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

सुबह नींद खुलते ही सिर में दर्द होना कई कारणों से हो सकता है। पानी की कमी, अधूरी नींद, सोने-जागने का समय बदलना, माइग्रेन और नींद से जुड़ी समस्याएं इसके प्रमुख कारण हैं। कुछ मामलों में यह स्लीप एपनिया का संकेत भी हो सकता है। खासकर तब, जब सिरदर्द के साथ तेज खरोंटे, रात में सांस रुकने या दिनभर उनीदापन की शिकायत हो। ऐसे में लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय उनकी वजह समझना जरूरी है। रातभर सोने के बाद सुबह सिरदर्द होने का संबंध नींद की गुणवत्ता से हो सकता है। बार-बार नींद टूटना, देर रात तक



जागना, पर्याप्त नींद नहीं लेना या रोज अलग-अलग समय पर सोना सिरदर्द को बढ़ा सकता है। माइग्रेन से परेशान लोगों में भी नींद के समय और दिनचर्या में बदलाव के कारण दर्द उभर सकता है। हालांकि, हर सुबह होने वाले सिरदर्द की वजह खराब नींद ही हो, यह जरूरी नहीं है।

पानी की कमी से भी हो सकता है दर्द: रात में कई घंटे पानी नहीं पीने के अलावा दिनभर कम पानी पीना, अधिक पसीना आना या शरीर से ज्यादा तरल पदार्थ निकलना भी सिरदर्द की वजह बन सकता है। इसके साथ प्यास लगना, मुंह सूखना,

कमजोरी, चक्कर आना और पेशाब का रंग गहरा होना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। दिनभर पर्याप्त पानी पीना उपयोगी है। हालांकि, हृदय या गुर्दे की बीमारी से जूझ रहे लोगों को पानी की मात्रा डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही रखनी चाहिए। स्लीप एपनिया नींद से जुड़ा एक विकार है, जिसमें सोते समय सांस का रास्ता बार-बार संकरा हो जाता है या कुछ समय के लिए बंद हो सकता है। इससे नींद बाधित होती है और शरीर में ऑक्सीजन का स्तर प्रभावित हो सकता है। इसके कारण सुबह सिरदर्द, दिन में अत्यधिक नींद और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि, केवल खरोंटे लेने का मतलब स्लीप एपनिया होना

नहीं है। लेकिन खरोंटों के साथ रात में सांस रुकने, घुटन महसूस होने, बार-बार नींद टूटने या दिन में बहुत ज्यादा उनीदापन की शिकायत हो, तो डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। जरूरत पड़ने पर नींद से जुड़ी जांच कराई जा सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी 2: यदि सुबह सिरदर्द बार-बार हो रहा है, उसकी तीव्रता बढ़ रही है या सामान्य उपायों से राहत नहीं मिल रही है, तो चिकित्सकीय सलाह लें। दर्द अचानक बहुत तेज हो, साथ में शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी, बोलने में परेशानी, भ्रम, बुखार या गर्दन में अकड़न हो, तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें।

निशाना

दुखों का फिर समुंदर आ गया है



प्रदीप कश्यप

मेरा जो दिल चुराकर आ गया है। वो बन कर के सितमगर आ गया है। सुखो को ढूँढ़ने की कोशिशों में। दुखों का फिर समुंदर आ गया है। खुशी खोई हुई वापिस मिली जब। लगा तब वक्त बेहतर आ गया है। कठिन हम से जो पूछे प्रश्न सबने। समझ में उनका उत्तर आ गया है। जिसे सब लोग छोटा मानते थे। बड़ा सब से वो बनकर आ गया है। मिली मजदूर को रोजी जहां पर। वहाँ वो छोड़कर घर आ गया है। भरी थी जिंदगी कश्यप दुखों से। सुखों का एक अवसर आ गया है।

नॉलेज स्टोरी

151 नौसैनिक प्लेटफॉर्म के साथ समुद्री ताकत बढ़ रहा भारत, सटीक निगरानी

भारत की समुद्री सुरक्षा केवल बड़े युद्धपोतों और विमानवाहक पोतों पर निर्भर नहीं है। अरब सागर से बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर तक फैले समुद्री क्षेत्र की निगरानी के लिए नौसेना को सतह पर चलने वाले जहाजों और पानी के भीतर काम करने वाली पनडुब्बियों, दोनों की जरूरत है। इसी दिशा में भारत अपने नौसैनिक बेड़े का विस्तार कर रहा है। हाल ही में आईएनएस मंगरोल को शामिल किया गया है, जबकि आईएनएस कलवरी जैसी आधुनिक पनडुब्बियां पानी के भीतर देश की सुरक्षा मजबूत करती हैं।

परिचामी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वत्सायन के अनुसार, भारतीय नौसेना के पास 151 नौसैनिक प्लेटफॉर्म हैं। इनमें 131 सतही जहाज और 20 पनडुब्बियां शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय शिपयार्ड में 42 जहाज निर्माणाधीन हैं। अन्य 69 जहाजों, छह पनडुब्बियों और 120 तेज गति वाले अवरोधक नौकाओं के निर्माण के लिए भी सैद्धांतिक मंजूरी दी जा चुकी है। ये सभी निर्माणाधीन या प्रस्तावित पोत मौजूदा बेड़े का हिस्सा नहीं हैं। वर्ष 2026 में 12 अक्टूबर तक नौसेना दस जहाजों को

सेवा में शामिल कर चुकी थी। **आईएनएस कलवरी पानी के भीतर की ताकत:** आईएनएस कलवरी भारतीय नौसेना की आधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक आक्रमणकारी पनडुब्बी है। इसे फ्रांसीसी तकनीक पर आधारित स्कॉपीन डिजाइन के तहत भारत में तैयार किया गया। मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में बनी इस पनडुब्बी को दिसंबर 2017 में नौसेना में शामिल किया गया था। कलवरी श्रेणी की छह पनडुब्बियां भारतीय नौसेना का हिस्सा हैं। इनमें आईएनएस कलवरी, खंडेरी, इस्तेमाल करके मनोरंजन से जुड़े कई काम करना आसान होगा। इसके अलावा, यह उपकरण स्मार्ट घर को नियंत्रित करने और आसपास के स्पीकों के साथ बेहतर आवाज का अनुभव देने में भी मदद करेगा।

नए एप्पल टीवी 4के की प्रमुख खासियत इसमें दिए गए दूर से आवाज पहचानने वाले माइक्रोफोन हैं। इनकी मदद से उपयोगकर्ता बिना रिमोट छुए सिरि को आदेश दे सकेंगे। संगीत या दूसरे कार्यक्रम चलने के दौरान भी आवाज पहचानने की सुविधा उपयोगी हो सकती है। इससे फिल्मों, कार्यक्रमों और दूसरी मनोरंजन सामग्री को खोजना आसान होगा। हालांकि, इन सुविधाओं का इस्तेमाल उपलब्ध सॉफ्टवेयर, भाषा और क्षेत्रीय समर्थन पर निर्भर करेगा।

तेज चिप से बेहतर होगा प्रदर्शन: कंपनी के मुताबिक, नए मॉडल में ए19 चिप दी गई है, जो पुराने मॉडल की तुलना में

टीवी देखने का अनुभव अब पहले से ज्यादा आसान और स्मार्ट होने जा रहा है। ऐपल ने अपने नए एप्पल टीवी 4के को स्मार्ट से नियंत्रित करने, बेहतर तस्वीरें और दमदार आवाज जैसी सुविधाओं के साथ पेश किया है। इसकी मदद से उपयोगकर्ता रिमोट उठाए बिना आवाज के जरिए पसंदीदा फिल्में और टीवी कार्यक्रम खोज सकेंगे। इसमें सिरि का इस्तेमाल करके मनोरंजन से जुड़े कई काम करना आसान होगा। इसके अलावा, यह उपकरण स्मार्ट घर को नियंत्रित करने और आसपास के स्पीकों के साथ बेहतर आवाज का अनुभव देने में भी मदद करेगा।

नए एप्पल टीवी 4के की प्रमुख खासियत इसमें दिए गए दूर से आवाज पहचानने वाले माइक्रोफोन हैं। इनकी मदद से उपयोगकर्ता बिना रिमोट छुए सिरि को आदेश दे सकेंगे। संगीत या दूसरे कार्यक्रम चलने के दौरान भी आवाज पहचानने की सुविधा उपयोगी हो सकती है। इससे फिल्मों, कार्यक्रमों और दूसरी मनोरंजन सामग्री को खोजना आसान होगा। हालांकि, इन सुविधाओं का इस्तेमाल उपलब्ध सॉफ्टवेयर, भाषा और क्षेत्रीय समर्थन पर निर्भर करेगा।

तेज चिप से बेहतर होगा प्रदर्शन: कंपनी के मुताबिक, नए मॉडल में ए19 चिप दी गई है, जो पुराने मॉडल की तुलना में

बेहतर प्रदर्शन देने के लिए तैयार की गई है। इससे मेन्यू खोलने, सामग्री खोजने और स्क्रीन पर होने वाली गतिविधियों का अनुभव अधिक सहज हो सकता है। इसमें एवी 1 वीडियो डिकोडर भी दिया गया है। यह समर्थित वीडियो

सामग्री को कम आंकड़ों में बेहतर गुणवत्ता के साथ चलाने में मदद कर सकता है। वास्तविक अनुभव इंटरनेट की गति, वीडियो की गुणवत्ता और संबंधित सेवा पर भी निर्भर करेगा।

चार स्पीकर से बनेगा होम थिएटर: नए एप्पल टीवी 4के के साथ समर्थित होमपॉड स्पीकों को जोड़कर घर में बेहतर ध्वनि व्यवस्था तैयार की जा सकती है। कंपनी के अनुसार, चार स्पीकों को एक साथ जोड़कर चारों ओर से आने वाली आवाज जैसा अनुभव लिया जा सकेगा। स्पीकर कमरे की स्थिति के अनुसार ध्वनि को समायोजित करने में भी मदद करेंगे। इससे फिल्में देखने और संगीत सुनने का अनुभव अधिक प्रभावशाली बन सकता है।

यह उपकरण स्मार्ट होम हब की तरह भी काम कर सकता है। उपयोगकर्ता स्मार्ट डोकेबेल से सूचना मिलने पर टीवी स्क्रीन पर दरवाजे पर आए व्यक्ति की जानकारी दिखाई जा सकती है। उपयोगकर्ता उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार उससे बात कर सकेंगे या दरवाजा खोलने की प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे।



मनोज कुमार अग्रवाल

स्तंभकार

सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में जान की बाजी लगाना आजकल एक बेहद गंभीर और खतरनाक ट्रेंड बन चुका है। लोग इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर चंद लाइक्स, व्यूज और वायरल होने की चाह में अपनी जिंदगी को दांव पर लगा रहे हैं। आज सोशल मीडिया का जमाना है और बड़ी संख्या में युवाओं पर चर्चा में आने के लिए रील बना कर सोशल मीडिया पर डालने का जूनून सवार है। सोशल मीडिया पर रातों-रात प्रसिद्ध होने और लाइक्स कटने की वजह से परेशान होकर आत्महत्या कर ली।

वीडियो बनाने के लिए चलती हुई ट्रेन के गेट पर खतरनाक डांस करना, डिब्बे के बाहर लटकना या रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर ट्रेन के सामने पोब देना सबसे आम और घातक हादसों की वजह बन रहा है। चलती हुई गाड़ियों या बाइकों पर स्टंट करना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के रील बनाना। हाल ही में उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक युवती को सड़क पर खतरनाक स्टंट करने के लिए ₹16,000 का भारी चालान भी भुगतना पड़ा।

ऊंचे पुलों और झरनों के पास पोज खतरनाक पहाड़ों, नदियों के ऊपर बने पुलों या बाढ़ के पानी के बीच रील बनाने के चक्कर में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। **प्रशासन की कार्रवाई और चेतावनी:** इस बढ़ते खतरे को देखते हुए पुलिस और भारतीय रेलवे लगातार लोगों को आगाह कर रहे हैं। ऐसे जानलेवा स्टंट करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है और जेल की सजा का भी प्रावधान है। आपको बता दें कि हाल ही में ऐसे कई मामलों की झड़ी लगी है जिनमें रील बनाने के चक्कर में अनेक युवा जान गंवा बैठे। 16 सितम्बर को पालघर (महाराष्ट्र) में वैतरणा नदी के किनारे मोबाइल से रील शूट करने के दौरान गीतेश पाटिल और मांवा राठौड़ नामक 2 दोस्तों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई।

4 अक्टूबर को फरीदाबाद (हरियाणा) में सिरौही झील के निकट रील बनाने के दौरान मोबाइल फोन के डैमेज होने को लेकर 2 दोस्तों में विवाद इस हद तक बढ़ गया कि आपसी हाथापाई में उनमें से एक युवक की जान चली गई, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी मुफ्तीद उर्फ मन्नू को गिरफ्तार कर लिया।

8 अक्टूबर को पश्चिम चंपारण (बिहार) के मझौलिया गांव में अपने बड़े भाई हीरामन के रील बनाने के शौक से नागज उसके छोटे भाई विश्वनाथ ने उसे बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया और इसी झगड़े के दौरान जान बचाने के लिए भागे हीरामन की जमीन पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो जाने के कारण मौत हो गई।9 अक्टूबर को बौध जिला (ओडिशा) के खोरधा-बोलांगीर रेलवे ट्रैक पर लेट कर मीडिया के लिए रील बना रहा एक लड़का अचानक आई तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। 9 अक्टूबर को ही जहरीले सांपों को रैस्क्यू करने और उनके साथ वीडियो बनाकर



यही सलाह देंगे कि वे अपनी जान जोखिम में डाल कर इस प्रकार के करतब न करें क्योंकि उनकी इस तरह की भूलें उनके परिवारों को जिंदगी भर की पीड़ा दे सकती है। युवाओं को लगता है कि एक रील वायरल होते ही वे रातों-रात स्टार बन जाएंगे। पीछे छूट जाने का डर दूसरों को रील बनाकर लोकप्रिय होते देख, युवा भी बिना सोचे-समझे उसी अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं।स्क्रीन पर दिखने वाले लाइक और हार्ट युवाओं के दिमाग में एक अस्थायी खुशी पैदा कर रहे हैं, जिसकी उन्हें लत लग जाती है। इस जानलेवा सनक को कैसे रोक जाएं?माता-पिता को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि उनका बच्चा सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट कर रहा है और किस तरह के वीडियो बना रहा है।

पुलिस और प्रशासन को खतरनाक जगहों पर रील बनाने वालों के खिलाफ सख्त जुर्माना और जेल की सजा का प्रावधान मजबूत करना होगा।

स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं को यह समझाने की जरूरत है कि जान है तो जहान है, कोई भी रील आपकी जिंदगी से ज्यादा कीमती नहीं हो सकती।

याद रखें, सोशल मीडिया के लाइक्स और व्यूज कुछ पलों के होते हैं, लेकिन जिंदगी सिर्फ एक बार मिलती है। ऐसे किसी भी वीडियो को घर पर या कहीं भी आजमाने की कोशिश बिल्कुल न करें।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

न्यूज विंडो

गंजबासौदा : मानस भवन में गरबा का महासंगम, 500 बच्चों ने बांधा समां



गंजबासौदा। नवरात्रि के पावन अवसर पर पुराने मेला ग्राउंड स्थित मानस भवन में लकी फ्रेंड्स ग्रुप के तीन दिवसीय गरबा-डांडिया महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। अतिथियों ने माता रानी की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस वर्ष आयोजन का 23वां वर्ष है। शुभारंभ अवसर पर 500 से अधिक बच्चों ने गरबा और डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। रंग-बिरंगी रोशनी से सजे मानस भवन में भजनों की धुन पर थिरकते बच्चों ने दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति और पारंपरिक लोकनृत्यों से जोड़ना है। कार्यक्रम में एसडीएम अनुभा जैन, एसडीओपी शिखा भलावी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्यजन मौजूद रहे। ग्रुप अध्यक्ष स्वप्निल जैन, सचिव समर्थ अग्रवाल और संस्थापक राघवेंद्र ओदीच्य सहित सदस्यों ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महोत्सव का समापन 15 अक्टूबर को होगा।

नीट में सफलता के बाद डॉक्टर बनेंगी

उदिता, बोलीं- गरीबों की सेवा मेरा लक्ष्य



गंजबासौदा। मेहनत और लगन के दम पर डॉल्फिन विद्यालय की मेधावी छात्रा उदिता अग्रवाल ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर शहर का मान बढ़ाया है। उनका प्रवेश सीहोर के मानसरोवर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में हुआ है। उदिता का सपना डॉक्टर बनकर गरीबों और जरूरतमंदों का मुफ्त इलाज करना है। उदिता ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों के मार्गदर्शन और माता-पिता के सहयोग को दिया। उन्होंने बताया कि नियमित पढ़ाई और निरंतर अभ्यास से लक्ष्य हासिल हुआ। उनके पिता नीलेश अग्रवाल समाजसेवा से जुड़े हैं, जबकि मां शिक्षिका हैं। दोनों से मिली प्रेरणा ने उन्हें चिकित्सा के माध्यम से समाजसेवा का संकल्प दिया। उदिता ने सत्र 2022-23 में कक्षा दसवीं की राज्य प्रावीण्य सूची में सातवां स्थान हासिल किया था। उनकी सफलता पर विद्यालय संचालक शैलेन्द्र दीक्षित, प्राचार्य संदीप जेटली सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने मिठाई खिलाकर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ग्रामीण बेटियों की प्रतिभा को मिला सम्मान

मेडल और पुस्तकों से बढ़ाया उत्साह



गंजबासौदा। भारत रत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती की पूर्व संस्था पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभावान छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया। बोर्ड परीक्षाओं, खेलकूद, विज्ञान प्रदर्शनी, निबंध और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल और पुस्तकें भेंट कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य वक्ता सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन शिक्षा, समानता और राष्ट्र प्रथम की भावना का प्रतीक है। मंच के जिला संयोजक सैयद शादाब अली ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण बेटियों की प्रतिभा को पहचान देना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम अध्यक्ष समाजसेवी चतर सिंह लोधी ने कहा कि बेटियों को शिक्षा और अवसर उपलब्ध कराना डॉ. कलाम के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्य अतिथि तुलाराम लोधी, आर्यन सेन, हीरालाल लोधी और वरिष्ठ शिक्षाविद् मौनिका विजोले ने भी विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़कर देश की सेवा कर सकती हैं।

दोपहर मेट्रो

अब डिजिटल स्टूडियो से पढ़ेंगे 100 सरकारी स्कूलों के बच्चे

‘डिजी उड़ान’ अभियान शुरू, हर शनिवार विशेषज्ञों की क्लास; लाइफ स्किल सीखने का भी मिलेगा मौका

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले के 100 शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के विद्यार्थी अब डिजिटल स्टूडियो के माध्यम से विषय विशेषज्ञों से सीधे जुड़ सकेंगे। हर शनिवार विशेषज्ञों की कक्षा के साथ लाइफ स्किल का सत्र भी आयोजित होगा। दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में ‘डिजी उड़ान’ अभियान शुरू किया गया है।

जिला शिक्षा केंद्र में स्थापित डिजिटल हब से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीतासरन



शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी और कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान डिजिटल माध्यम से 25 स्कूलों के विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद किया गया। आधुनिक कैमरों और इंटरएक्टिव पैनल के जरिए विद्यार्थियों ने सवालों के जवाब दिए और अपनी जिज्ञासाएं साझा

कीं। डीपीसी डॉ. राजेश जायसवाल ने बताया कि चर्चानित स्कूलों को डिजिटल स्टूडियो से जोड़कर प्रत्येक शनिवार विषय विशेषज्ञों और प्रेरक वक्ताओं के सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें विद्यार्थियों को विषय संबंधी जानकारी के साथ व्यावहारिक ज्ञान और जीवनोपयोगी कौशल सिखाए जाएंगे।

गांव की बिजली बंद होने से नहीं चल रहा बोर, बाहर से पानी लाकर बुझाई जा रही विद्यार्थियों की प्यास

20 दिन से स्कूल में पानी का संकट

दूषित पानी पीने को मजबूर बच्चे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गांव की बिजली बंद होने का खामियाजा अब स्कूल में पढ़ने वाले मामसूम बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। जनपद शिक्षा केंद्र के अंतर्गत आने वाली शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला बहेरिया में पिछले करीब 20 दिनों से पेयजल संकट बना हुआ है। स्कूल परिसर में बोर लगा होने के बावजूद बिजली आपूर्ति बंद होने से उससे पानी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में स्कूल प्रबंधन को बाहर से पानी लाकर बच्चों की प्यास बुझानी पड़ रही है। पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुविधाओं को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

स्कूल में पदस्थ शिक्षक ब्रजराज परिहार ने बताया कि गांव में करीब 20 दिनों से बिजली बंद है। बोर चालू नहीं होने के कारण अन्य स्थानों से पानी बुलवाकर बच्चों के लिए व्यवस्था की जा रही है। हालांकि, इस तरह विद्यार्थियों की जरूरत के मुताबिक नियमित रूप से पानी उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है।



बकाया बिजली बिल का असर बच्चों पर पड़ रहा

जानकारी के अनुसार, गांव के लोगों द्वारा बिजली बिल जमा नहीं किए जाने के कारण विद्युत आपूर्ति बंद की गई है। इसका असर स्कूल की बुनियादी सुविधाओं पर भी पड़ रहा है। शिक्षकों ने विद्युत कंपनी से स्कूल की बिजली तत्काल बहाल करने और स्वच्छ पेयजल की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है।

एक-दो दिन में व्यवस्था का आश्वासन

विद्युत कंपनी के जूनियर इंजीनियर प्रभात दुबे ने बताया कि गांव के बिजली बिल बकाया होने के कारण सप्लाय बंद की गई है। स्कूल में बच्चों की परेशानी की जानकारी मिलने पर उन्होंने एक-दो दिन में अलग से व्यवस्था कर स्कूल की बिजली चालू करवाने का प्रयास करने की बात कही।

प्रशासन की मौजूदगी में हुआ विवाद का निराकरण

सैलवाड़ा में सीमांकन से खुला भूमि विवाद

का सच, शासकीय जमीन से हटाई फेंसिंग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत सैलवाड़ा में लंबे समय से चल रहे भूमि विवाद का मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में निराकरण किया गया। मौके पर पहुंचे एसडीएम सीजी गोस्वामी, नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी, पटवारी और पुलिस बल ने ग्रामीणों की मौजूदगी में संबंधित भूमि का सीमांकन कराया। जांच में सरपंच की निजी भूमि पर अवैध कब्जा नहीं मिला, जबकि सामुदायिक भवन के पीछे शासकीय भूमि पर फेंसिंग कर कब्जा किए जाने की स्थिति सामने आई। प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान शासकीय भूमि पर लगाई गई फेंसिंग हटवाई गई। साथ ही सामुदायिक भवन के आसपास आवागमन में आ रही बाधा दूर कराई गई। मवेशियों के आने-जाने के लिए बंद रास्ता खुलवाया गया और दोनों ओर से आवागमन सुचारू कराया गया।



400 ग्रामीणों में से 8-10 ने बताई परेशानी

मौके पर एसडीएम ने ग्रामीणों से विवाद और उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। बताया गया कि करीब 400 ग्रामीणों की मौजूदगी में 8 से 10 लोगों ने हाथ उठाकर अपनी परेशानी बताई। शिकायतों के आधार पर सीमांकन कराया गया, जिसमें सरपंच की निजी भूमि पर अवैध कब्जा नहीं पाया गया। वहीं, शासकीय भूमि पर दो स्थानों पर फेंसिंग किए जाने की जानकारी सामने आई।

रास्ते के लिए निजी भूमि देने की सहमति

ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए सरपंच नीतू साहू ने अपनी निजी भूमि में से रास्ते के लिए जमीन देने की बात कही। उन्होंने बाजारहट के लिए अपनी निजी भूमि पर अस्थायी बाजार लगाने की अनुमति देने पर भी सहमति जताई। नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी ने बताया कि शासकीय भूमि पर जहां भी कब्जा पाया गया, उसे हटवाया गया है। एसडीएम सीजी गोस्वामी के अनुसार, जांच के बाद शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए।

भागीरथ पंडा के घर विराजी मां

शारदा करती हैं भक्तों के दुख दूर



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बुदेलखंड की धरती पर आदिशक्ति मां जगदम्बा के अनेक स्वरूपों के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। तेंदूखेड़ा नगर के वार्ड क्रमांक 2 में भागीरथ पंडा के निवास पर स्थित मां शारदा देवी मंदिर भी भक्तों की श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि मां के दरबार में सच्चे मन से प्रार्थना करने वाले भक्तों को मानसिक संबल और सुख-शांति मिलती है। प्रतिदिन यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। नवरात्र के नौ दिनों में मंदिर परिसर भक्तिमय हो जाता है और मां के जयकारों से वातावरण गूंज उठता

है। मां शारदा के अनन्य भक्त भागीरथ पंडा हर साल अपने घर से पैदल मेहर धाम दर्शन करने जाते हैं। उन्होंने बताया कि नवंबर में उनकी 32वीं पैदल यात्रा प्रस्तावित है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके साथ शामिल होंगे।

मंदिर में आने वाले श्रद्धालु मां शारदा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए मनोकामना पूर्ति की कामना करते हैं। कई भक्त संतान सुख सहित परिवार की खुशहाली के लिए भी मां के दरबार में प्रार्थना करते हैं। धार्मिक आस्था और परंपरा से जुड़ा यह मंदिर क्षेत्र में विशेष पहचान रखता है।

मेट्रो एंकर

तेंदूखेड़ा में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर विराजीं मां दुर्गा, 45 वर्षों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे हो रही स्थापना

मां की भक्ति से मिल रही शक्ति, नवरात्र में युवा कर रहे दिन-रात आराधना

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शारदीय नवरात्र में तेंदूखेड़ा नगर मां आदिशक्ति की भक्ति में सराबोर है। नगर में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सुबह-शाम पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। नौ दिनों तक व्रत रखकर मां की सेवा करने वाले युवाओं में खासा उत्साह है। भक्तों का मानना है कि मां की आराधना से जीवन में अनुशासन, सकारात्मक सोच और चुनौतियों का सामना करने की शक्ति मिलती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे पिछले 45 वर्षों से सर्वमंगल मान्यते दुर्गोत्सव समिति द्वारा मां की स्थापना कर नियमित पूजा-अर्चना की जा रही है।



सोनू कहते हैं कि परंपरा का निर्वाह करने के साथ ही मातारानी से सबके सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि नौ दिन तक मां की सेवा आराधना करने से हर एक मुराद पूरी होती है मां के नौ रूपों की आराधना से जीवन में अनुशासन शक्ति का सही समय पर उपयोग करने का विवेक जागृत होता है।

-सोनू खटीक



अमित कहते हैं कि मातारानी की आराधना कर खुद के बेहतर भविष्य एवं घर परिवार के साथ सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहे हैं। नौ दिन तक मां दुर्गा की सेवा आराधना कर रहे हैं। मातारानी से यही मांगा है कि सबको खुश रखे युवाओं को सकारात्मक सोच और रचनात्मक कार्य करने की सीख दे।

-अमित साहू,



रोहित बताते हैं कि सृष्टि में सभी शक्तियों की जननी मां आदिशक्ति ही है। हम अपने लक्ष्यों और कामनाओं की प्राप्ति के लिए मां की सेवा कर रहे हैं। रीति रिवाजों से संस्कारों का ज्ञान हुआ है। यह बात अच्छी तरह - समझ में आ गई है कि इनके बिना जीवन अधूरा है माता के नौ स्वरूपों की सेवा आराधना कर रहा हूं।

-रोहित महोबिया



मातारानी में मेरी बहुत आस्था है। सुबह शाम आरती में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहा हूं। मेरी हमेशा यही कोशिश रहती है कि इन नौ दिनों तक माता की सेवा अच्छे से होती रहे। युवा मन अथाह शक्तियों का भंडार है किंतु अपनी समस्त शक्तियों से परिचित होने के लिए मां की सेवा का अनुशरण कर रहा हूं।

-शिवम सोनी

सागर में धीरेंद्र शास्त्री का संदेश-संस्कार बचेंगे, तभी संस्कृति बचेगी

सनातन हिंदू एकता रथयात्रा पांच विधानसभा क्षेत्रों से गुजरी, हिंदू एकता, गौसेवा और नशामुक्ति पर दिया जोर, यात्रा में भाजपा-कांग्रेस के नेता भी दिखे सक्रिय



सागर। दोपहर मेट्रो
बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता रथयात्रा सागर जिले से होकर टीकमगढ़ जिले में प्रवेश कर गई। बालाजी मंदिर परिसर में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में शास्त्री ने हिंदू एकता, गौसेवा, बेटियों के संस्कार और नशामुक्त समाज का संदेश दिया। उन्होंने कहा, ‘जहां बारिश नहीं होती, वहां की फसल खराब हो जाती है और जहां संस्कार नहीं होते, वहां की नस्ल खराब हो जाती है। शास्त्री ने समाज से

अपनी संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति सजग रहने की अपील की। नवरात्र के दौरान गरबा आयोजनों में बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित करने और घर वापसी का आह्वान भी किया। यात्रा ने रहली विधानसभा क्षेत्र के रीन गांव से जिले में प्रवेश किया। नरयावली क्षेत्र से होते हुए मंगलवार रात करीब दो बजे सागर पहुंची, जहां दिव्य दरबार लगा और रात्रि विश्राम हुआ। बुधवार को सदर-मकरोनिया और बड़ा विधानसभा क्षेत्र के शाहगढ़ से गुजरते हुए यात्रा टीकमगढ़ जिले में

पहुंची। यात्रा के स्वागत में मंत्री, सांसद और जिले के विधायक सक्रिय रहे। भाजपा और कांग्रेस के नेता भी स्वागत करने और लोगों को आमंत्रित करने में गैर-राजनीतिक बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य समाज में रामनीति और सामाजिक समरसता स्थापित करना है। सनातन हिंदू एकता रथयात्रा के सागर पहुंचने पर विभिन्न स्थानों पर स्वागत की तैयारियां की गईं। यात्रा मार्ग पर लोग स्वागत के लिए खड़े दिखाई दिए। मंत्री, सांसद और जिले के छह विधायक भी स्वागत और

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सक्रिय नजर आए। भाजपा नेताओं ने व्यवस्थाएं संभालने, प्रचार-प्रसार करने और लोगों को आमंत्रित करने में भूमिका निभाई। वहीं कांग्रेस के नेता भी स्वागत द्वारों पर शास्त्री की अगवानी करते दिखे। यात्रा को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं रहीं, लेकिन पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इसे राजनीतिक लाभ या वोट हासिल करने का माध्यम मानने से इनकार किया। उन्होंने इसे सामाजिक समरसता का अभियान बताया।

बेटियों के संस्कार, हिंदू एकता पर जोर
पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने संबोधन में बेटियों की सुरक्षा, संस्कार और सांस्कृतिक पहचान को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने हिंदू समाज से एकजुट रहने और आने वाली पीढ़ियों को अपनी परंपराओं से जोड़ने की अपील की। नवरात्र और गरबा उत्सव का उल्लेख करते हुए उन्होंने आयोजकों से पंडालों में आने वाले लोगों की पहचान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने गौसेवा को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने पर भी जोर दिया। शास्त्री ने कहा कि समाज को अपनी संस्कृति और संस्कारों की रक्षा के लिए जागरूक रहना होगा, तभी सनातन परंपराएं सुरक्षित रह सकेंगी।

न्यूज विंडो

अक्षर ज्ञान से आत्मनिर्भरता की राह, महिलाओं को साक्षरता के लिए किया जागरूक



नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में विकासखंड नरसिंहपुर के विभिन्न सामाजिक चेतना केंद्रों पर महिला साक्षरता और असाक्षरता उन्मूलन को लेकर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। कान्हरपानी, अगरिया, गोगावरी और सहजपुरा सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में महिलाओं को शिक्षा का महत्व बताया गया। ग्राम अगरिया में 24 अक्टूबर को होने वाली साक्षरता परीक्षा के लिए आयोजित कार्यक्रम में नोडल अधिकारी रेखा सोनी ने 22 असाक्षरों को परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। साक्षरता प्रभारी स्तुति कुरचानिया ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सरस्वती कहार और कक्षा 11वीं के विद्यार्थी हर्ष धनतोले का अक्षरसाथी के रूप में पंजीयन किया गया। उपस्थित लोगों ने गांव से असाक्षरता दूर करने और हर व्यक्ति को साक्षर बनाने की सामूहिक शपथ ली।

पाइल्स के ऑपरेशन के दौरान युवक की मौत, गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप



कटनी। शहर के गुरुकृपा अस्पताल में पाइल्स के ऑपरेशन के दौरान 35 वर्षीय अंशुल मिश्रा की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने और लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है, जबकि अस्पताल प्रबंधन के अनुसार युवक की मौत हृदयगति रुकने से हुई। मर्घई मंदिर के पीछे निवासी अंशुल के पिता बीएन मिश्रा ने बताया कि ऑपरेशन से पहले बेटे की जांचें कराई गई थीं, जिनकी रिपोर्ट सामान्य आई थी। मंगलवार शाम ऑपरेशन के दौरान युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के बाहर हंगामा किया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने जांच का आवासान देकर उन्हें शांत कराया। परिजनों ने चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम और वीडियोग्राफी कराने की मांग की। बुधवार को चिकित्सकों की टीम और तहसीलदार की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जबलपुर-नरसिंहपुर की सीमा में बसे जमुनिया कटोरी में हाथी की दस्तक

जबलपुर। शहपुरा के पास चरगवां ब्लॉक और नरसिंहपुर जिले की सीमा से लगे ग्राम जमुनिया कटोरी में जंगली हाथी दिखाई देने की सूचना से हड़कंप मच गया। हाथी की खबर फैलते ही ग्रामीण कुंडा तालाब के आसपास जुटने लगे। सूचना मिलते ही वन विभाग ने क्षेत्र में सर्चिंग अभियान शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, सुबह कुछ बच्चे कुंडा तालाब की ओर गए थे। इसी दौरान उन्हें हाथी दिखाई दिया। गांव लौटकर बच्चों ने ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद शहपुरा-भिठोनी वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तालाब सहित आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान वन अमले को हाथी के पदचिह्न मिले। इनके आधार पर हाथी की दिशा का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। नरसिंहपुर जिले की सीमा नजदीक होने के कारण वहां का वन विभाग भी अपने क्षेत्र में हाथी की तलाश कर रहा है। वन विभाग की टीमें उसकी मौजूदगी का पता लगाने में जुटी हैं।

गीतों के जरिए किशोर दा को दी संगीतमय श्रद्धांजलि, गायकों ने पेश किए नगमे



नरसिंहपुर। सुप्रसिद्ध गायक किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर आनंदम न्यूजकल ग्रुप द्वारा अभिनंदन गार्डन में ‘मेरे गीतों में किशोर’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। शूभारंभ मां सरस्वती के पूजन और गणेश वंदना से हुआ। माधव शिंदे ने किशोर कुमार के जीवन पर प्रकाश डालते हुए गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद रोहित, मुकेश शर्मा, भागीरथ विश्वकर्मा, पवन सुहागिया, बृजेश विश्वकर्मा और गजेन्द्र कोट्या सहित अन्य गायकों ने ‘रिमझिम गिर सावन’, ‘किन्तनी खुबसूरत ये तस्वीर है’, ‘देखा एक खाब’ और ‘मेरे सपनों की रानी’ जैसे सदाबहार गीत सुनाए। मनीषा धुर्वे, विश्वनाथ ठाकुर, अमित सेन, अमित दुबे और करन जोगलेकर सहित कलाकारों ने भी गीतों के माध्यम से किशोर कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की।

धार के धरमपुर नगर की घअना, परिवार इंदौर गया था पिता का इलाज कराने खिड़की तोड़कर सूने मकान में घुसे चोर 3 गिरफ्तार, 2 लाख का माल बरामद

धार। दोपहर मेट्रो
धरमपुरी नगर के मक्का मोहल्ले में सूने मकान को निशाना बनाकर चोरी करने वाले तीन आरोपियों को धरमपुरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण और 90 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। जब्त मशरूके की कुल अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपए बताई गई है। मामले में पुलिस आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, मक्का मोहल्ला निवासी सोहेल पिता मकबूल खान ने 8 अक्टूबर को घर में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी सुबह करीब 9 बजे परिवार के साथ अपने पिता का इलाज कराने इंदौर गया था। रात करीब 11 बजे घर लौटते पर उसे खिड़की टूटी हुई मिली। अंदर जाकर देखा तो अलमारी का लॉकर भी टूटा था और उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण व नकदी गायब थे। अज्ञात बदमाश खिड़की तोड़कर



घर में दाखिल हुए और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे। शिकायत के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर और मनावर के प्रभारी एसडीओपी प्रदीप वाल्टर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक सरदारसिंह सोलंकी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों में ताहिर उर्फ लालू

(23), निवासी मक्का मोहल्ला, धरमपुरी; आवेश उर्फ राजा (20), निवासी पुनवांस, धरमपुरी; और फैजान उर्फ फैजु (22), निवासी चंदन नगर, इंदौर, हाल मुकाम मक्का कॉलोनी, धरमपुरी शामिल हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी सरदारसिंह सोलंकी, उपनिरीक्षक रवि वास्के, सहायक उपनिरीक्षक रजाक खान और दिनेश सिसोदिया सहित पुलिसकर्मियों की भूमिका रही। पुलिस ने आरोपियों से बरामद आभूषण और नकदी जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आर्मी कैंप के बैंक में सेंधमारी, 36 घंटे में आरोपी धराए
सागर। ढाना स्थित आर्मी कैंप की एनसीओ एकेडमी परिसर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में हुई नकबजनी का पुलिस ने 36 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने उदयपुरा, ढाना निवासी प्रदीप कुर्मी (26) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 11-12 अक्टूबर की दरमियानी रात आरोपी खिड़की की घिल कटर से काटकर बैंक में घुसा था। उसने रेडमी मोबाइल चुराया और लोहे की रॉड से कैश वॉल्ट का लॉक तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुआ। संदेहियों से पूछताछ के दौरान प्रदीप पर शक हुआ। पूछताछ में उसने वारदात स्वीकार की। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी गया मोबाइल, घटना में प्रयुक्त साइकिल और लोहे की रॉड बरामद की। कार्रवाई में उपनिरीक्षक सत्यव्रत धाकड़, प्रधान आरक्षक नरेंद्र जादौन और आरक्षक कामेश, संजय गुर्जर व अभिषेक सेन की अहम भूमिका रही।

सागर में बसों पर परिवहन विभाग की सख्ती, 7 का पंजीयन किया निरस्त प्रेशर हॉर्न पर चला विशेष चेकिंग अभियान, 15 बसों से 45 हजार रुपए जुर्माना वसूला

सागर। दोपहर मेट्रो
यात्री बसों में प्रेशर हॉर्न, ओवरलोडिंग, अधिक किराया वसूली, परमिट शर्तों के उल्लंघन और टैक्स बकाया के मामलों में क्षेत्रीय परिवहन विभाग ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान 7 यात्री बसें 15 वर्ष से अधिक पुरानी पाए जाने पर उनका पंजीयन निरस्त कर स्कैप करने के आदेश जारी किए गए। वहीं, नियमों का उल्लंघन करने वाली 15 बसों से 45 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया और दो बसें जब्त की गईं। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के अनुसार, मुख्य बस स्टैंड के आसपास रहने वाले लोगों ने यात्री बसों में लगे प्रेशर हॉर्न से होने वाले ध्वनि प्रदूषण और परेशानी की शिकायत की थी। विशेषकर रात के समय बच्चों और बुजुर्गों को तेज आवाज से दिक्कत होती है। इसके बाद मुख्य बस स्टैंड और



शहरी क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान 12 यात्री बसों में मानक से अधिक आवाज करने वाले प्रेशर हॉर्न पाए गए। विभाग ने मौके पर ही इन्हें निकलवाकर जब्त कर लिया। इसके अलावा 15 बसों में चालक-परिचालक निर्धारित गणवेश में नहीं मिले। कुछ वाहनों में हाई सिक्वोरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी), रेडियम रिफ्लेक्टर टेप और प्राथमिक उपचार पेटी जैसी

जरूरी व्यवस्थाओं की कमी भी पाई गई। इन अनियमितताओं पर जुर्माना वसूला गया। जांच में एक बस के पीछे के कांच पर लोहे की जाली लगी मिली, जबकि दूसरी बस का ड्राइवर साइड का गेट और फर्श टूटा हुआ था। यात्रियों की सुख्खा को देखते हुए दोनों बसों को जब्त कर परिवहन कार्यालय परिसर में रखा गया है। विभाग ने नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए चेकिंग जारी रखने की बात कही है।

मेट्रो एंकर केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने जल जीवन मिशन की समीक्षा कर दिए निर्देश, बंद नल-जल योजनाएं शुरू करने पर जोर

कम बारिश से संकट की आहट, अब हर गांव में होगी पानी की पड़ताल

धार। दोपहर मेट्रो
जिले में अल्प वर्षा के कारण संभावित जल संकट से निपटने के लिए गांववार कार्ययोजना तैयार की जाएगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री एवं सांसद सावित्री ठाकुर ने जिला पंचायत सभागार में जल जीवन मिशन और जल उपलब्धता की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पेयजल स्रोतों का आकलन कर समय रहते आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। किसानों को कम पानी में तैयार होने वाली फसलों अपनाते के लिए जागरूक किया जाए और अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करें। कलेक्टर राजीव रंजन मोना ने बताया कि सभी ग्राम पंचायतों में पेयजल स्रोतों को चिह्नित कर



उनकी स्थिति और उपलब्धता का सर्वे कराया जाएगा। वैकल्पिक जल स्रोतों की पहचान कर आवश्यक सुधार किए जाएंगे। बंद पड़ी नल-जल परियोजनाओं को पंचायतों के समन्वय से जल्द शुरू कराने और लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जल संकट से निपटने के लिए

कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाएगा। बैठक में तालाबों का गहरीकरण, गाद निकासन, कुओं-बावड़ियों के संरक्षण और जल स्रोतों की सफाई पर चर्चा हुई। टैंकों से पानी पहुंचाने के दौरान लीकेज रोकने, दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में आपूर्ति सुनिश्चित करने और नहरों के रखरखाव पर भी जोर दिया गया।

किसानों को कम पानी वाली फसलों के लिए करेंगे जागरूक
अल्प वर्षा का खेती पर असर कम करने के लिए किसानों को उपलब्ध जल संसाधनों के अनुसार फसल चयन के लिए प्रेरित किया जाएगा। कृषि विभाग चना, सरसों, मसूर और अरंडी जैसी कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को बढ़ावा देगा। इसके लिए गांवों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। वहीं, तालाबों, कुओं और बावड़ियों की सफाई जनभागीदारी से कराने तथा जल स्रोतों में कचरा डालने से रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उपयुक्त स्थलों पर तालाबों से गाद निकालकर उनकी जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने की योजना भी तैयार की जाएगी।

सेना में जाने का बेटियों का जज्बा 128 ने दौड़ पूरी कर मारी बाजी



सागर। दोपहर मेट्रो
इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित महिला मिलिट्री पुलिस अग्निवीर भर्ती रैली का समापन हो गया। सेना भर्ती कार्यालय, ग्वालियर और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में 1 से 14 अक्टूबर तक चली इस रैली में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बेटियों ने उत्साह और अनुशासन के साथ हिस्सा लिया। रैली के अंतिम दिन महिला मिलिट्री पुलिस के लिए कुल 204 अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। कड़ी शारीरिक परीक्षा के बाद 128 बेटियों ने दौड़ पूरी कर अगले चरण में जगह बनाई। यह कुल अभ्यर्थियों

का 62.75 प्रतिशत है। सफल अभ्यर्थियों ने भारतीय सेना में शामिल होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया। आयोजकों के अनुसार, पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, सुचारू और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हुई। सेना भर्ती कार्यालय ने स्पष्ट किया कि भारतीय सेना में चयन पूरी तरह निष्पक्ष प्रक्रिया और योग्यता के आधार पर तैयार मेरिट सूची से होता है। भर्ती में दलाली या किसी भी तरह के अनुचित साधनों की कोई जगह नहीं है। अभ्यर्थियों को ऐसे किसी भी प्रलोभन से दूर रहने की अपील की गई है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में 24 रनों से हारी भारतीय टीम

अभिषेक ने टी20 में बना दिया छक्कों का महारिकॉर्ड... सूर्यकुमार पीछे छूटे

हैदराबाद, एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस निराशाजनक नतीजे के बीच एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अभिषेक अब एक कैलेंडर वर्ष में किसी पूर्ण सदस्य टीम की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में उन्होंने 24 गेंदों पर 29 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन चौके और एक छक्का निकला। इसी छक्के के साथ उन्होंने सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

69 छक्कों के साथ नया कीर्तिमान-

अभिषेक शर्मा ने वर्ष 2026 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक 69 छक्के लगाए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम था, जिन्होंने वर्ष 2022 में 68 छक्के जड़े थे। खास बात यह है कि अभिषेक का यह रिकॉर्ड ऐसे समय आया है, जब वह पिछले कुछ मुकाबलों में बड़ी पारियां खेलने के लिए संघर्ष कर रहे थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक शुरुआत से ही खुलकर बल्लेबाजी नहीं कर सके। कैरेबियाई गेंदबाजों ने उन पर दबाव बनाए रखा और शुरुआती ओवरों में संजू सैमसन ने अधिकतर स्ट्राइक अपने पास रखी। हालांकि, नौवें ओवर में शमर सिंग्रर की गेंद पर आगे बढ़कर लगाया गया उनका छक्का ऐतिहासिक साबित हुआ। इस शांत के साथ ही उन्होंने सूर्यकुमार को पीछे छोड़ दिया।

धमाकेदार शुरुआत के बाद वापसी का इंतजार

अभिषेक ने 2026 की शुरुआत शानदार अंदाज में की थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ नागपुर में उन्होंने 35 गेंदों पर 84 रन बनाए थे, जिसमें आठ छक्के शामिल थे। इसके बाद गुवाहाटी में 20 गेंदों पर नाबाद 68 रन की विस्फोटक पारी खेलकर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का दम दिखाया। हालांकि, इसके बाद उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा और वह कुछ मुकाबलों में खाता खोलने में भी कामना रहे। इसके बावजूद छक्कों के मामले में उन्होंने नया मुकाम हासिल कर लिया।



शाई होप के शतक ने भारत को दिया बड़ा लक्ष्य

मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 247 रन बनाए। शाई होप ने 50 गेंदों पर नाबाद 102 रन की तुफानी पारी खेली। उन्होंने पारी की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। शेरफेन रदरफोर्ड ने भी 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए महज 43 गेंदों पर 91 रन जोड़कर भारतीय गेंदबाजों की मुश्किलें बढ़ा दीं।

223 रन पर सिमटी भारतीय टीम

248 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 223 रन ही बना सकी और 24 रन से मुकाबला गंवा दिया। मयंक यादव और अश्विनी सिंह ने चार-चार ओवर में 52-52 रन खर्च किए। भारतीय क्षेत्ररक्षकों ने भी कुछ मौके गंवाए, जबकि गेंदबाजों ने 18 अतिरिक्त रन दिए। वेस्टइंडीज ने 2-2 से बराबरी कर ली। अब निर्णायक मुकाबले में दोनों टीमों की नजरें सीरीज जीतने पर होंगी। भारत के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी की कमजोरियों को दूर करना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

क्रिकेट जगत में चर्चा तेज

नाम का बिना इजाजत इस्तेमाल, भड़के गब्बर, अब कानूनी कार्रवाई की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन एक टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में अपना नाम शामिल किए जाने को लेकर नाजब हैं। धवन ने स्पष्ट किया है कि उनका इस प्रतियोगिता से कोई संबंध नहीं है और आयोजकों ने उनकी जानकारी तथा अनुमति के बिना उनका नाम खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। इस घटनाक्रम के बाद क्रिकेट जगत में चर्चा तेज हो गई है। धवन ने सामाजिक माध्यम के जरिए अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए प्रशंसकों और समाचार माध्यमों से अपील की है कि वे उनके नाम से जुड़ी किसी भी ऐसी घोषणा पर भरोसा न करें, जिसकी आधिकारिक पुष्टि उन्होंने या उनकी टीम ने नहीं की हो। मामला उस समय सामने आया, जब शिखर धवन को जानकारी मिली कि उनका नाम 'वर्ल्ड टी-20 कॉन्टिनेंट कप' में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। इसके बाद उन्होंने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर अपनी नाराजगी जाहिर की। धवन ने कहा कि आयोजकों ने उनकी जानकारी या मंजूरी के बिना उनके नाम का इस्तेमाल किया है। उन्होंने साफ किया कि उनकी टीम इस मामले में जरूरी कानूनी कदम उठाएगी। हालांकि, आयोजकों की ओर से इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया सामने आने की जानकारी नहीं है।

प्रशंसकों से की खास अपील

शिखर धवन ने अपने संदेश में कहा कि उनके नाम से की जाने वाली किसी भी अनधिकृत घोषणा पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने समाचार माध्यमों और प्रशंसकों से भी ऐसी खबरों का प्रसार करने से बचने की अपील की, जिनकी पुष्टि उनकी ओर से नहीं की गई है। धवन के इस बयान से प्रतियोगिता में उनकी भागीदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। अब इस मामले में आयोजकों की प्रतिक्रिया और संभावित कानूनी कार्रवाई पर नजर रहेगी।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

11 साल छोटी हसीना के दीवाने हुए विजय वर्मा, परवान चढ़ा इश्क, दूसरे धर्म में बसाएंगे घर?

विजय वर्मा अपने लुक्स और एक्टिंग से लोगों का दिल जीत चुके हैं। वो अपने किर्दारों के अलावा लिंकअप रूमर्स को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। एक समय पर वो तमन्ना भाटिया को डेट कर रहे थे। दोनों ने अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल भी कर दिया था। लेकिन फिर इनके ब्रेकअप की खबर आई। विजय और तमन्ना के ब्रेकअप से इनके फैन्स को भी दर्द हुआ। तमन्ना के बाद विजय को नया प्यार मिल गया है। इन दिनों उनका नाम सिंगर और जवान स्टार आलिया कुरैशी संग जोड़ा जा रहा है। विजय और आलिया का नाम अचानक नहीं जुड़ा है। इसकी कई वजहें हैं। जानते हैं कि दोनों की डेटिंग पर बात क्यों हो रही है।

लिंकअप रूमर्स के बीच विजय को मुंबई अपनी अलग आवाज, अनोखे अंदाज और हिट गानों से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाले मशहूर गायक एवं संगीतकार हिमेश रेशमिया एक बार फिर छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। वह रियलिटी शो 'ड्रिड्रम आइडल-लेजेंड्स रिटर्न' में निर्णायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। संगीत की दुनिया में अपनी खास पहचान रखने वाले हिमेश की पेशेवर जिंदगी के बारे में तो काफी कुछ बताया जाता है, लेकिन उनकी निजी जिंदगी भी कम दिलचस्प नहीं है। उनकी जिंदगी में प्यार, शादी और रिश्तों में आए बदलावों का अहम पड़ाव रहा है। हिमेश रेशमिया ने साल 1995 में कोमल से शादी की थी। दोनों ने लंबे समय तक साथ जीवन बिताया और



में आलिया के एल्बम झल्ली के लॉन्च इवेंट पर देखा गया। इस इवेंट के कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियोज में विजय, आलिया को चीयर करते दिख रहे हैं। जब आलिया गा रही थीं, तब विजय जोर-जोर से सीटी बजाते और तालियां बजाते नजर आए। एक दूसरे वीडियो में विजय, आलिया की मधुर आवाज का पूरा मजा लेते दिखे। वो परफॉर्मेंस देखते हुए मुस्कुरा रहे थे। उन्हें अपने फोन पर आलिया का परफॉर्मेंस रिकॉर्ड करते हुए भी देखा गया। मानो जैसे वो हर पल को कैमरे में कैद करना चाह रहे हों। आलिया के प्रति विजय का अपनापन देख इनके अफेयर की तेज हो गई है। कुछ फैन्स ने कमेंट करते हुए पूछा कि शादी कब है। एक ने लिखा कि अब ये खुरशी कपूर की नादानियांक्रम में दिखाई दीं. आलिया, क़बादिश बैडिटसक्र और क़्रैटरनली कंफ़्यूज्ड एंड इंगर फॉर लव जैसे प्रोजेक्ट्स में भी नजर आ चुकी हैं।

कौन हैं आलिया कुरैशी?

एक्ट्रेस बनने से पहले आलिया म्यूजिक इंडस्ट्री में पहले से एक जाना-माना नाम थीं. उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म क़्रजवानक्र से एक्टिंग में डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने एसएसपी आजाद की गैंग की एक सदस्य का किरदार निभाया था. इसके बाद वो खुशी कपूर की नादानियांक्रम में दिखाई दीं. आलिया, क़बादिश बैडिटसक्र और क़्रैटरनली कंफ़्यूज्ड एंड इंगर फॉर लव जैसे प्रोजेक्ट्स में भी नजर आ चुकी हैं।

दो शादियां, पहली पत्नी से तलाक, फिर सोनिया कपूर से प्यार! हिमेश की निजी जिंदगी है दिलचस्प

उनका एक बेटा भी है। हालांकि, समय के साथ उनके रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगीं। आखिरकार साल 2017 में दोनों ने तलाक लेकर अलग होने का फैसला किया। पहली शादी टूटने के बाद हिमेश ने अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने का निर्णय लिया। उनके निजी जीवन में आए इस बदलाव ने उस समय काफी चर्चा बटोरी थी। कोमल से तलाक के एक साल बाद, यानी 2018 में हिमेश रेशमिया ने अभिनेत्री सोनिया कपूर से दूसरी शादी कर ली। इस तरह उन्होंने जिंदगी की नई शुरुआत की। हिमेश और सोनिया



अक्सर एक-दूसरे के साथ तस्वीरें साझा करते रहते हैं। दोनों की साथ में दिखाई देने वाली तस्वीरें उनके प्रशंसकों का ध्यान खींचती हैं। सोनिया कपूर के साथ हिमेश की जोड़ी को लेकर भी प्रशंसकों के बीच दिलचस्पी बनी रहती है। हालांकि, दोनों अपने निजी जीवन को लेकर आमतौर पर सीमित जानकारी ही साझा करते हैं। हिमेश रेशमिया की दूसरी पत्नी सोनिया कपूर मनोरंजन जगत का जाना-पहचाना चेहरा हैं। उन्होंने कई लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया है।

माइकल ब्लूमबर्ग का विजन भारत के लिए भी अहम: अदाणी

के चेयरमैन ने नई दिल्ली में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनॉमी फोरम के दौरान माइकल ब्लूमबर्ग के साथ हुई मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने कहा, उनके सवालोंने मेरे मन में एक विचार को और स्पष्ट कर दिया। किसी भी देश को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने के लिए दो तरह के बुनियादी ढांचे की जरूरत होती है। पहला वह है जो दिखाई देता है, जिसमें बंदरगाह, ट्रांसमिशन कॉरिडोर, ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र, गीगावाट स्तर के कंप्यूटिंग क्लस्टर और ट्रांजिट सिस्टम शामिल हैं। दूसरा बुनियादी ढांचा दिखाई नहीं देता, लेकिन वह पहले वाले ढांचे को सक्षम बनाता है। यह विश्वकनीय डेटा, जवाबदेह संस्थाओं और ऐसी शासन व्यवस्था पर आधारित होता है जिसे केवल घोषणाओं का मंच नहीं, बल्कि एक कार्यशील अनुशासन माना जाता है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में विकास के लिए काम कर रहे दो लोग हर उपलब्धि को एक ही नजरिए से नहीं देख सकते। अदाणी ने कहा, हमारे दृष्टिकोण हमारी कार्य परिस्थितियों को दर्शाते हैं। एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के लिए प्राथमिकता तत्काल होती है।

चीन से व्यापार निष्पक्षता और भू-राजनीतिक स्थिरता के साथ ही संभव: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने चीन के साथ व्यापारिक जुड़ाव फिर से शुरू करने का संकेत दिया है। भारत के लिए दुनिया के सभी देशों के साथ व्यापार के लिए विकल्प खुले हैं। इसके लिए शर्तें निष्पक्ष होनी चाहिए और भू-राजनीतिक स्थिति स्थिर रहनी चाहिए। गोयल ने ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनॉमी फोरम में यह बात कही। उन्होंने आपूर्ति शृंखला लचीलापन और प्रौद्योगिकी साझेदारी पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया। मंत्री ने कहा कि भारत लेकिन इस यात्रा पर अंतिम शब्द अभी नहीं लिखा गया है। गोयल ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के संबंधों को मजबूत बताया। उन्होंने कहा कि यह संबंध दोनों देशों और व्यापक दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह साझेदारी व्यापार से आगे बढ़कर रक्षा, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण

खनिजों और जन-जन के संबंधों तक फैली है। गोयल ने कहा कि अमेरिका और भारत के संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये संबंध आगे और बेहतर होंगे। आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी अनिवार्यताएं इन संबंधों को सहारा देती हैं। दोनों देशों में राजनीतिक सोच बदलने पर भी ये संबंध मजबूत रहेंगे। यह साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक है। गोयल ने बताया कि देश अपनी प्रौद्योगिकी और उपकरण आपूर्ति शृंखला चीन के साथ संबंध विकसित करने पर काम कर रहा है। लेकिन इस यात्रा पर अंतिम शब्द अभी नहीं लिखा गया है। गोयल ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के संबंधों को मजबूत बताया। उन्होंने कहा कि यह संबंध दोनों देशों और व्यापक दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह साझेदारी व्यापार से आगे बढ़कर रक्षा, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण



विकसित करना चाहते हैं। इससे विश्वकनीय भागीदारों के बीच सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि कुछ अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रित क्षमताओं को दोहराना मुश्किल हो सकता है। इसके लिए देशों को मिलकर काम करना होगा। यह वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक लचीला बनाने में मदद करेगा।



न्यूज विंडो

लखनऊ में 50 हजार घरों में पानी भरा, जम्मू में भारी बर्फबारी



लखनऊ. एजेंसी। लखनऊ का फैजुल्लागंज 2 हफ्तों से बाढ़ के पानी से घिरा हुआ है। गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से स्थिति भयावह हो चुकी है। 50 हजार से ज्यादा घरों में 5 फीट तक पानी भरा है। एक-मंजिला मकानों में रहने वाले लोग छतों पर तिरपाल डालकर दिन काट रहे हैं। वहीं, राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से बुधवार को पश्चिमी जिलों में मौसम बदल गया। जयपुर सहित कुल 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे पर स्थित जोजिला दर्रे में बर्फबारी हुई। यह दर्रा कश्मीर को लद्दाख से जोड़ता है। वहीं, दक्षिण कश्मीर के पहलगाम और आसपास के इलाकों में भी बर्फ गिरी। गुलमर्ग, सोनमर्ग, राजदान टॉप और गुरेज के तुलैल में भी स्नोफॉल हुआ।

नवरात्र में लाल वस्त्र पहनने पर टोका, शिक्षिका ने दिया इस्तीफा



कोंटा.(छत्तीसगढ़) एजेंसी। मंदर टेरेसा ज्योति कॉन्वेंट स्कूल में नवरात्र के दौरान दीक्षा माला और लाल वस्त्र पहनकर पहुंची शिक्षिका लक्ष्मी प्रसन्ना को स्कूल में प्रवेश से रोके जाने का मामला सामने आया है। घटना से आहत होकर शिक्षिका ने इस्तीफा सौंप दिया। मामले की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों और समाज के लोगों ने स्कूल पहुंचकर विरोध जताया। धार्मिक आस्था के सम्मान की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्कूल में बड़ी संख्या में हिंदू बच्चे पढ़ते हैं। फिर भी धार्मिक प्रतीकों और परंपराओं के पालन को लेकर इस तरह की रोक उचित नहीं है। उन्होंने विद्यालय परिसर में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित करने की मांग भी रखी। बसंत पंचमी पर अवकाश और स्कूल के नियमों के पालन को लेकर भी सवाल उठाए। मौके पर पहुंचे अफसरों ने समझाया

बच्चों की दवा बताकर बेचता था जानवरों का टॉनिक, गिरफ्तार

सूरत. एजेंसी। गुजरात के सूरत में पुलिस ने बच्चों की दवा के नाम पर जानवरों का टॉनिक बेचने के आरोप में एक मेडिकल स्टोर संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 51 वर्षीय मोहम्मद साजिद इब्राहिम मुल्ला के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, वह जानवरों के लिए बने हिमालया लिव-52 प्रोटेक्ट लिक्विड को छोटी बोतलों में भरकर उन पर बच्चों की दवा लिव-52 के नकली लेबल लगा देता था। आरोपी पर इस उत्पाद को वास्तविक कीमत से दोगुने दाम पर बेचने का भी आरोप है। पुलिस और खाद्य एवं औषधि निंत्रण विभाग की टीम ने गोपीपुरा स्थित शान्तिनाथ मेडिकल स्टोर पर छापा मारकर 31,195 रुपए का सामान जब्त किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लोगों को सलाह दी है कि अगर इस उत्पाद के इस्तेमाल से कोई परेशानी हुई है, तो डॉक्टर से संपर्क करें।



रिपोर्ट... डिजाइन ईरान में तैयार हुआ

चीन की मदद से मिसाइल बनाने में जुटे हूती विद्रोही

बीजिंग, एजेंसी

यमन के हूती विद्रोही चीन से मंगाए गए पुर्जों की मदद से नई बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटेन की संस्था कॉन्फ्लिक्ट आर्मामेंट रिसर्च की जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोही ईरान में डिजाइन हुई खैबर शिकन मिसाइल जैसी मिसाइल तैयार करना चाहते हैं, जिसकी मारक क्षमता करीब 1500 किलोमीटर है। अगर हूती ऐसा हथियार बनाने में सफल होते हैं, तो वे सऊदी अरब के अलावा इजराइल को भी ज्यादा सटीक तरीके से निशाना बना सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यमन के अधिकारियों ने जुलाई में चीन से भेजे गए दो सदिग्ध सामानों की खेप पकड़ी थी। इनमें मिसाइल बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई अहम पुर्जे मिले। पकड़ी गई खेप चीन से भेजी गई थी। इसे यमन के होदेइदा बंदरगाह पहुंचाया जाना था। इजराइली अधिकारियों का कहना है कि इस बंदरगाह का इस्तेमाल ईरान हथियारों की सप्लाई के लिए करता रहा है। रिपोर्ट तैयार करने वाली संस्था के वरिष्ठ विश्लेषक फैबियन हिंज के मुताबिक, हूती ईरान में डिजाइन की गई खास तरह की मिसाइल बनाने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन पुर्जों का इस्तेमाल आम नागरिक कामों में करना मुश्किल है। खेप में रॉकेट मोटर के हिस्से, मिसाइल को स्थिर रखने वाले पुर्जे और रॉकेट मोटर को चालू करने वाले उपकरण मिले। फेनोलिक रेजिन नाम का पदार्थ भी था। इसका इस्तेमाल मिसाइल की गर्मी से बचाने वाली परत बनाने में होता है। तेज रफ्तार से उड़ते समय मिसाइल का बाहरी हिस्सा बहुत गर्म हो जाता है। यह परत उसे उस गर्मी से बचाती है।

पिता ने 2 साल के बेटे को पेट्रोल डालकर जलाया, सबूत मिटाने शव दफनाया

» अकेले परवरिश नहीं करना चाहता था, गिरफ्तार

वाव थराद। गुजरात के वाव-थराद जिले में एक व्यक्ति ने अपने 2 साल के बेटे पर पेट्रोल डालकर उसे जिंदा जला दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बच्चे को बोझ मानता था। घटना मंगलवार को जिले के सुईगम तालुका में हुई। आरोपी अशोक रावल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि रावल ने बच्चे को आग लगाने के बाद अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में सन्नद्ध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सुइगम के रावलवास में रहने वाले बाबूभाई लखमनभाई रावल ने अपने भतीजे और हथियार अशोक जीताभाई रावल के खिलाफ सुइगम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी अशोक रावल की पत्नी झगड़े के बाद पिछले 3 महीने से मायके में थीं। अशोक बेटे के साथ अकेला रह रहा था। पत्नी के न होने से अशोक को बच्चे की देखभाल करना मुश्किल लगने लगा था।

मेट्रो एंकर

नीले ड्रम कांड में पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी को फांसी की सजा

महाभारत का जिक्र व मृत्युदंड, नहीं मिली रहम की भीख

मेरठ, एजेंसी

मेरठ के बहुचर्चित नीले ड्रम वाले सौरभ राजपूत हत्याकांड में जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद मिश्रा ने पति की हत्या करने वाली मुस्कान रस्तोगी और प्रेमी साहिल शुक्ला को मृत्युदंड की सजा सुनाई। फैसले में न्यायाधीश ने कहा कि प्रजा जब सोती है तब भी कानून जागता है। साहिल और मुस्कान तुमने सौरभ की हत्या की और शव के टुकड़े करके छिपा दिया। तुम्हें मृत्युदंड से दंडित किया जाता है। जिला जज के सजा सुनाते ही खचाखच भरे कोर्ट में भारत माता के जयकारे गूंजने लगे। जिला कोर्ट में अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के वकील के बीच बहस हुई। बचाव पक्ष ने दलील दी कि दोनों दोषियों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। जेल में आचरण अच्छा रहा है। इसलिए रहम किया जाए। बचाव पक्ष ने कोई चश्मदीद गवाह नहीं होने का भी हवाला दिया। मुस्कान व साहिल की वीसी से पेशी हुई। मुस्कान ने दोनों छोटी बेटियों के भविष्य का हवाला देते हुए रहम की अपील की। कहा, मेरी दो छोटी बेटियां हैं, फैसला देते समय उनके भविष्य का ध्यान रखा जाए।



‘पारिवारिक मूल्य और सामाजिक ताना-बाना बुरी तरह हिल गए’

जिला शासकीय अधिवक्ता कृष्ण कुमार चौबे ने बताया कि अभियोजन पक्ष की ओर से दलील दी गई कि वारदात किसी उकसावे में आकर अचानक नहीं बल्कि अत्यंत शांतिर तरीके से सोच-समझकर साजिश रचकर की गई है। मुस्कान और साहिल ने सौरभ की हत्या करने के बाद दोनों हाथों की कलाइयां काट दीं और सिर धड़ से काटकर अलग कर दिए। साक्ष्य छिपाने के लिए उसे ड्रम में भरकर सीमेंट से चिन दिया। यह अत्यंत क्रूर और बर्बर श्रेणी का अपराध है। इस वारदात से पूरे प्रदेश और देश में समाज के भीतर गहरा भय, असुरक्षा और अनिश्चितता का माहौल पैदा हुआ। पति-पत्नी जैसे पवित्र व विश्वासपूर्ण रिश्ता व पारिवारिक मूल्य तथा सामाजिक ताना-बाना बुरी तरह हिल गए।

एक्टर इमरान खान को भारत छोड़ने का नोटिस

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन में हुए थे शामिल

मुंबई, एजेंसी

एक्टर इमरान खान को मुंबई पुलिस ने नोटिस जारी कर 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। इमरान 10 अक्टूबर को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इसके बाद मुंबई पुलिस ने इमरान खान को हिरासत में भी लिया था। वे 22-23 जुलाई को नीट पेपर लीक के विरोध में हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में भी शामिल हुए थे।



मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान भारतीय नहीं अमेरिकी नागरिक हैं और विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इस मामले में उनके खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

सीजेपी नेताओं की गिरफ्तारी पर दिपके हमलावर, बोले-तिरंगा फहराने पर जेल में डाला

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कार्यकर्ताओं सौरभ दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के तीन दिन हो गए हैं। इसी बीच कार्यकर्ता अभिजीत दिपके ने आज उनकी हिरासत पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों को अपने ही देश में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और बदलाव के लिए लड़ने की वजह से जेल में डाला गया है। अभिजीत दिपके ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ‘आशु और सौरभ की अवैध गिरफ्तारी का आज तीसरा दिन है। दो ऐसे युवा, जिन्होंने बदलाव के लिए लड़ने की खातिर अपनी आरामदायक जिंदगी छोड़ दी, वे अब जेल में बंद हैं।’ पोस्ट में आगे लिखा था, ‘सोचिए, अपने ही देश में अपना राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए आपको जेल में डाल दिया जाए।’



गुरुग्राम में तड़के चार बजे मुठभेड़: नूंह पुलिस ने गौ-तरकर शाहिद को किया ढेर, 40 से ज्यादा केस थे दर्ज

गुरुग्राम। सोहना-पलवल रोड पर गांव सिलानी मोड़ के पास आज तड़के नूंह पुलिस की टीम और गौतरकर की आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से शाहिद उर्फ आडवानी (27), निवासी खरखड़ी, नूंह की मौत हो गई। वहीं, उसके साथ मौजूद दो अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में कामयाब रहे।

जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार सुबह करीब चार बजे की है। सीआईए नूंह



की टीम को गौतरकर के आरोपियों के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपियों का पीछा शुरू किया। आरोपी थार गाड़ी में दो गायों को लेकर जा रहे थे।

सिलानी मोड़ के पास पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ हो गई।

मुठभेड़ के दौरान शाहिद उर्फ आडवानी को गोली लग गई। पुलिस टीम ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन दोनों फरार आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे।

अधिवक्ता ने रखे तर्क-नीला ड्रम खौफ का प्रतीक बन गया

अधिवक्ता कृष्ण कुमार चौबे ने कोर्ट को बताया कि नीला ड्रम समाज में खौफ का प्रतीक बन गया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों का हवाला देते हुए दोनों दोषियों को मृत्युदंड देने की मांग की। दोनों पक्षों को सुनने के बाद जिला जज ने कहा कि दोनों दोषियों को बैरक में भेज दिया जाए। शाम लगभग 4:15 बजे जिला जज ने दोनों को मृत्युदंड की सजा सुना दी। सौरभ की मां बोलीं- सही दंड मुस्कान और साहिल को सजा सुनाने के दौरान बुधवार दोपहर सौरभ की मां रेनु देवी, उनके भाई बबलु व अन्य परिजन भी न्यायालय में मौजूद रहे। जिला जज के सजा सुनाते ही रेनु देवी और परिवार की अन्य महिलाओं की आंखों में आंसू छलकने लगे। सौरभ

की मां रेनु देवी ने रोते हुए कहा कि मुस्कान और साहिल ने जैसा जघन्य अपराध किया है, उसके लिए उन्हें मृत्युदंड ही मिलना चाहिए था। अगर कानून में इससे भी बड़ी कोई सजा होती, तो वह उसकी मांग करती। भाई बोला-घटना ने पूरे परिवार को तोड़ दिया सौरभ के भाई बबलु ने बताया कि इस हत्याकांड ने पूरे परिवार को भीतर से तोड़ दिया है। पिता मुन्ना लाल आज तक गहरे डिप्रेशन में हैं और मां चैन से सो नहीं पाई हैं। जिला न्यायालय के इस फैसले से उन्हें न्याय मिला है। यदि दोषी इस सजा के खिलाफ ऊपरी अदालत में जाते हैं तो दोनों को फांसी के फंदे तक पहुंचाने के लिए वे सुप्रीम कोर्ट तक लड़ने को तैयार हैं।